page 1 and 8 aug 30_page 1 Mar 25 final ds.qxd 30-08-2025 01:14 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू में तवी पुल ढहने के बाद सेना ने बेली ब्रिज का किया निर्माण

5 लियोनेस मेसी के बेहतरीन प्रदर्शन कीब बदौलत इंटर मियामीलीग्स कप 2025 के फाइनल में

8 पालीहाउस तकनीक के उपयोग

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 30

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-214 | जम्मू तवी, शनिवार 30 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर करेगी प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व : मोदी

टोक्यो 29 अगस्त । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां शुक्रवार को जापान को भारत की विकास यात्रा में अहम साझीदार करार देते हुए जापानी उद्योग जगत से विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, नयी पीढी के बुनियादी ढांचे , स्वच्छ ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में मिलकर आगे बढने का आह्वान किया और कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश मिलकर एशिया की इस सदी में स्थिरता, विकास और समृद्धि को एक नया आयाम देंगे। उन्होंने कहा कि एशिया ही नहीं दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ विशेषकर अफ्रीका के विकास में भी अहम योगदान दे सकते हैं। जापान की दो दिन की यात्रा पर सुबह यहां पहुंचे श्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष के साथ भारत-जापान आर्थिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम भागीदार रहा है। विशेष रूप से आटो सेक्टर तथा विनिर्माण क्षेत्र में भारत और जापान की साझेदारी की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने जापानी उद्योग जगत से भारत के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा , मैं आप सबसे आग्रह करता हूँ- आइए मेक इन इंडिया , मेक फॉर द वर्ल्ड । भारत ने एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग , बायोटेक और अंतरिक्ष में साहसिक तथा महत्वाकांक्षी पहल की है। जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जापान के सहयोग से मुंबई और अहमदाबाद हाई स्पीड रेल पर काम चल रहा है लेकिन दोनों देशों की यह यात्रा यहीं नहीं रूकती।

राष्ट्रपति मुर्मु ने ऑपरेशन सिन्दूर में केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के योगदान की सराहना की

नयी दिल्ली, 29 अगस्त । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिन्दूर को आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की विजय का स्वर्णिम अध्याय बताते हुए इस अभियान में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की सराहना की है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को राजधानी में केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के फोरम 'स्कोप' द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक उपक्रम 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने और 'मेक इन इंडिया' के राष्ट्रीय अभियान में केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों का विशेष रूप से योगदान करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने और भारत पर हमले के प्रयासों को पूरी तरह नाकाम कर दिया गया। इस अभियान के दौरान पूरी तरह भारत में विनिर्मित आकाश-तीन नामक वायुरक्षा नियंत्रण एवं रिपोर्टिंग प्रणाली की अचूक क्षमता के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, इस सिस्टम के निर्माण में सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका रही है। यह सभी सार्वजनिक उपक्रमों के लिए विशेष गर्व की बात है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर नवाचार तथा तकनीक के क्षेत्र में देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता में सार्वजनिक उपक्रमों ने अपना योगदान सिद्ध किया है। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के सिद्धांत को सार्वजनिक उपक्रमों का मूल मंत्र बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करने में केंन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

श्री माता वैष्णो देवी ट्रैक पर भूस्खलन की घटना के कारणों की जाँच के लिए उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति गठित

श्रीनगर, 29 अगस्त । उपराज्यपाल सचिवालय ने शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी ट्रैक पर 26 अगस्त, 2025 को हुई भूस्खलन की घटना के कारणों की जाँच के लिए जम्मू-कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल जो श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि 26 अगस्त .2025 को रियासी जिले में श्री माता वैष्णो देवी जी ट्रैक पर अधकारी के पास हुई दुखद भूस्खलन की घटना के कारणों की जाँच के लिए जम्मू-कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया जाता है। समिति में जम्मू-कश्मीर सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल शक्ति विभाग, जम्मू के संभागीय आयुक्त और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक शामिल होंगे। समिति घटना के कारणों की विस्तार से जाँच करेगी और किसी भी चूक को इंगित करेगी। यह बचाव और राहत उपायों के रूप में प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करेगी। इसके अलावा समिति भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपयुक्त मानक संचालन प्रक्रिया और उपा सुझाएगी। समिति दो सप्ताह के भीतर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के माननीय अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

बाढ़ के कारण फंसे यात्रियों के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाई गईं

जम्मू, 29 अगस्त । जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फंसे रेलयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए उत्तर रेलवे ने 28 अगस्त को जम्मूतवी से दो विशेष ट्रेनों का संचालन किया।

पहली विशेष ट्रेन ने लगभग 1400 यात्रियों को वाराणसी भेजा जबकि दूसरी ट्रेन ने लगभग 1200 यात्रियों को नई दिल्ली पहुंचाया। फिरोजपुर मंडल के जालंधर कैंट और लुधियाना स्टेशनों पर खानपान और अन्य सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक परमदीप सिंह सैनी ने कहा कि रेल प्रशासन हमेशा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोपरि मानता है और आपदा के समय भी उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करता रहेगा।

कटुआ-माधोपुर रेल लाइन पर पुल खराब, जम्मू मंडल की कई ट्रेनें रद्द

डाउन लाइन में प्रभावित ट्रेनें

जम्मू से चलने वाली कई ट्रेनें जैसे जम्मू-बीकानेर एक्सप्रेस (14804), जम्मू-नई दिल्ली राजधानी (12426), शालीमार मालानी एक्सप्रेस (14662), जम्मू-पुणे जेहलम एक्सप्रेस (11078), जम्मू-कोलकाता एक्सप्रेस (13152), जम्मू-दुरंतो एक्सप्रेस (12266), जम्मू-गोरखपुर एक्सप्रेस (12588) तथा श्री माता वैष्णो देवी कटरा से चलने वाली वंदे भारत, श्री शक्ति एक्सप्रेस, स्वराज एक्सप्रेस, अंडमान एक्सप्रेस सहित करीब 20 से ज्यादा ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

ट्रेनों के अचानक रद्द होने से जम्मू, कटरा, कटुआ और आसपास के क्षेत्रों से यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। त्योहार और छुट्टियों के मौसम में यात्रियों की भीड़ अधिक होने के कारण हालात और बिगड़े हैं।

जम्मू,, 29 अगस्त । कटुआ-माधोपुर डाउन लाइन पर पुल संख्या-17 में गड़बड़ी आने से रेलवे ने जम्मू मंडल में रेल यातायात को रोक दिया है। इस वजह से 30 और 31 अगस्त को दर्जनों ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है जबकि कुछ ट्रेनों को बीच रास्ते से ही समाप्त (शॉर्ट टर्मिनेट) या शुरू (शॉर्ट ओरिजिनेट) किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले ट्रेनों की स्थिति की जानकारी जरूर लें।

अप लाइन की रद्द की गई प्रमुख ट्रेनेंनई दिल्ली-जम्मू तवी राजधानी (12425), शालीमार मालानी एक्सप्रेस (14661), बीकानेर-जम्मू तवी एक्सप्रेस (14803), अजमेर-जम्मू पूजा एक्सप्रेस (12413), पटना-जम्मू आर्चना एक्सप्रेस (12355), साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस (19223), मुंबई बांद्रा विवेक एक्सप्रेस (19027), कोलकाता-जम्मू एक्सप्रेस (13151), पुणे-जम्मू एक्सप्रेस (11077), हावड़ा-जम्मू हिमगिरी एक्सप्रेस (12331), अहमदाबाद-जम्मू मेल (20433), कोटा-सांवधानीक वीकली (19803), मालवा एक्सप्रेस (12919), श्री शक्ति एक्सप्रेस (22461), उत्तर संपर्क क्रांति (12445), हेमकुंट एक्सप्रेस (14609), सरस्वोदया एक्सप्रेस (12473, छक्रै तक) सहित 25 से अधिक ट्रेनें पूरी तरह से रद्द कर दी गई हैं।

शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट ट्रेनें

वाराणसी-जम्मू एक्सप्रेस (12237) को अंबाला तक ही चलाया गया है। संबलपुर-जम्मू एक्सप्रेस (18309) को अमृतसर तक सीमित किया गया है। सरवोदय एक्सप्रेस (12473) को नई दिल्ली तक ही चलाया गया। वहीं जम्मू से बनारस जाने वाली 12238 एक्सप्रेस अब अंबाला से शुरू होगी, और टाटानगर एक्सप्रेस (18102) को अमृतसर से शुरू किया जाएगा।

अमित शाह 31 अगस्त से दो दिवसीय दौरे पर जम्मू आ सकते हैं

भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी: अमित शाह

गुवाहाटी, 29 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां को दिए गए अपशब्दों के लिए उन्हें माफ़ी मांगनी चाहिए। शाह ने दावा किया कि बिहार में उनकी घुसपैठिया बचाओ यात्रा के साथ ही राहुल गांधी की राजनीति निम्नतम स्तर पर पहुँच गई है। उन्होंने यहाँ राजभवन के नवनिर्मित ब्रह्मपुत्र विंग का उद्घाटन करने के बाद कहा, अगर राहुल गांधी में थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें माफ़ी मांगनी चाहिए। देश उन्हें और उनकी पार्टी को घृणा से देख रहा है। शाह और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता पर भी निशाना साधा था। एक कथित वीडियो में दरभंगा शहर में यात्रा के दौरान मंच से एक अज्ञात व्यक्ति मोदी के खिलाफ हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करता हुआ दिखाई दिया था। दरभंगा शहर से ही गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा और राजद नेता तेजस्वी यादव मोटरसाइकिल से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे। शाह ने पूछा, घुसपैठिया बचाओ यात्रा कांग्रेस के वोट बैंक की रक्षा के लिए है, लेकिन किसी भी लोकतंत्र में चुनाव उसकी आत्मा होती है। अगर घुसपैठियों को व्यवस्था को प्रदूषित करने दिया जाए तो देश कैसे सुरक्षित रह सकता है? गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस की राजनीति नकारात्मक है, बिहार में अपनी यात्रा के मंच से प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करके उसने सारी हदें पार कर दी हैं। शाह ने जोर देकर कहा कि मोदी का दुनिया

भर में सम्मान किया जाता है और कोई भी अपशब्द कमल को खिलने से नहीं रोक सकता। इससे पहले, शाह ने असम की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन राजभवन के नवनिर्मित ब्रह्मपुत्र विंग का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, असम राजभवन के नए विंग का उद्घाटन ऐतिहासिक है, जो संघर्ष से लेकर अष्टलक्ष्मी की अवधारणा तक पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा को दर्शाता है। उन्होंने राजभवन परिसर से 45 करोड़ रुपये की लागत से डेरगांव स्थित लचित बरफुकन पुलिस अकादमी में राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला-उत्तर पूर्व का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। शाह ने आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स की विभिन्न विकास परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें आवास परिसर, बैरक और अस्पताल शामिल हैं।

हॉकी एशिया कप 2025

भारत ने चीन को 4-3 से हराया, हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक

राजगीर,29 अगस्त। हॉकी एशिया कप की शुरुआत भारतीय हॉकी टीम ने चीन पर धमाकेदार जीत के साथ की है। भारत ने चीन को ग्रुप के पहले लीग में मैच में 4-3 से हराया। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर स्थित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मैच में भारतीय टीम ने चीन पर शानदार जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन गोल किए जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल दागे। यह मुकाबला बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। चीन ने भारत को कड़ी टक्कर दी। मैच का शुरुआती गोल चीन ने किया था। इसके बाद भारत ने लगातार तीन गोल करते हुए 3-1 की मजबूत बढ़त बनाई। चीन ने जोरदार वापसी की और स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया। आखिरी क्वार्टर (47वें मिनट) में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भारत की बढ़त 4-3 कर दी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल बनाया जा रहा है : शिवराज

बेंगलुरू /नयी दिल्ली 29 अगस्त। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि किसानों के हित को सर्वोपरि रखते हुए उनकी आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल बनाया जा रहा है।

श्री चौहान ने आज बेंगलुरू में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों का दौरा कर समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने किसानों, पशुपालकों, स्टार्टअप चलाने वाले उद्यमियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने आईसीएआर के राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान की गतिविधियों की भी जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री ने कटुआ का दौरा कर क्षतिग्रस्त सहार पुल का किया निरीक्षण

कटुआ, 29 अगस्त । जम्मू-कश्मीर सरकार के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चैधरी ने शुक्रवार को जिला कटुआ का दौरा किया और हाल ही में जिले में हुई भारी बारिश से आई अचानक बाढ़ की चपेट में आए जम्मू-पठानकोट नेशनल हाईवे पर क्षतिग्रस्त सहार पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों को भी खरी-खोटी सुनाई। अपने दौरे के दौरान उन्होंने खड में जाकर सहार पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से की जांच की और मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश जारी किए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दो तरह की सरकारें चल रही हैं। जिसमें एक उमर अब्दुल्ला की सरकार और एलजी मनोज सिन्हा की प्रशासन की सरकार। उन्होंने कड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में उमर अब्दुल्ला लगातार लोगों के बीच आ रहे हैं वहीं उनके सरकार के मंत्री लगातार जनता के बीच हैं।

जखेनी और चनैनी के बीच भारी नुकसान के कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग अभी भी बंद

जम्मू, 29 अगस्त । अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह एक नया यातायात परामर्श जारी किया है जिसमें पुष्टि की गई कि जखेनी और चनैनी के बीच भारी नुकसान के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी बंद है।

अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों को सख्त सलाह दी जाती है कि जब तक मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता और सतह यातायात के लायक नहीं हो जाती तब तक वे राजमार्ग पर यात्रा न करें। परामर्श में ज़ोर दिया गया है कि लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

इस बीच मुगल रोड और श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी रोड पर पहले जारी परामर्श के अनुसार यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। हालाँकि एनएचआईडीसीएल के निर्देशों के अनुसार सिंथन मार्ग केवल हल्के मोटर वाहनों के लिए खोला गया है।

अधिकारियों ने यात्रियों से लेन अनुशासन बनाए रखने की अपील की है और चेतावनी दी है कि ओवरटेक करने से यातायात जाम हो सकता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस अनुशासन और एकता की याद दिलाता है जो खेल हमारे जीवन में लाते हैं : सतीश शर्मा

श्रीनगर/जम्मू, 29 अगस्त। युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस अनुशासन और एकता के उन मूल्यों की याद दिलाता है जो खेल हमारे जीवन में लाते हैं।हॉकी विज़ार्ड मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू के.के. हक्कू स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने यह बात कही। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस अनुशासन, .ढ़ता और एकता के उन मूल्यों की याद दिलाता है जो खेल हमारे जीवन में लाते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कोने-कोने से युवाओं को इन समारोहों में भाग लेते देखना गर्व की बात है। उन्होंने कहा, हमें युवा एथलीटों को प्रोत्साहित करना और उन्हें जमीनी स्तर से प्रशिक्षित

करना जारी रखना चाहिए ताकि ऐसे चैंपियन तैयार किए जा सकें जो देश का नाम रोशन कर सकें। राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह आज जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। श्रीनगर में, युवा सेवा एवं खेल आयुक्त सचिव सरमद हफीज ने जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल के साथ पोलो ग्राउंड खेल परिसर का दौरा किया, जहाँ उन्होंने हॉकी, फुटबॉल, ताइक्वांडो, तीरंदाजी और बैडमिंटन का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों से बातचीत की। इस अवसर पर एक हॉकी प्रदर्शनी मैच खेला गया और किट वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिससे युवा एथलीटों में उत्साह का संचार हुआ। श्रीनगर में एक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें उन सभी विभागों और एजेंसियों की सराहना की गई जिन्होंने डल झील पर खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 के सफल आयोजन में योगदान दिया, जिसमें इस महीने की शुरुआत में देश भर से एथलीट और दर्शक शामिल हुए थे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सरमद हफीज ने कहा कि जिलों, केंद्रों और परिसरों में आयोजित ये समारोह दर्शाते हैं कि जम्मू-कश्मीर में खेल संस्कृति कितनी गहराई से जड़ें जमा रही है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान आधुनिक बुनियादी ढाँचा, पेशेवर कोचिंग और हर पृष्ठभूमि के एथलीटों को समान अवसर प्रदान करके खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। इस अवसर पर बोलते हुए, नुजहत गुल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय खेल दिवस के माध्यम से, हम न केवल मेजर ध्यानचंद की विरासत का सम्मान करते हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करते हैं।

जावेद राणा ने जम्मू के बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा किया

जम्मू 29 अगस्त। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गाँवों, जिनमें भर्मिनी, घूरा, सरारी, बठिंडी, सुंजवान और चड्ढा शामिल हैं, का व्यापक दौरा किया ताकि ज़मीनी स्थिति का आकलन किया जा सके और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण किया जा सके। इस दौरे के दौरान, मंत्री ने पुनर्वास प्रयासों में तेज़ी लाने की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया और सभी प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता प्रदान करने की उमर अब्दुल्ला सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हमएक सरकार के रूप में हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं कि इस आपदा से प्रभावित लोगों की ज़रूरतों पर तेज़ी और सहानुभूति के साथ काम करें। हमारा ध्यान तत्काल राहत, पुनर्वास और आवश्यक सेवाओं की बहाली पर है। राणा ने डोंगी हायर सेकेंडरी स्कूल में राहत शिविर का दौरा किया, जहाँ भर्मिनी गाँव से विस्थापित कई परिवारों को अस्थायी रूप से आश्रय दिया गया है। उन्होंने प्रभावित

परिवारों से बातचीत कर उनकी चिंताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा और शिविर में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। प्रभावित समुदायों के लिए सुरक्षित पेयजल की तत्काल आवश्यकता को समझते हुए, मंत्री ने क्षतिग्रस्त जलापूर्ति योजनाओं को तत्काल बहाल करने के निर्देश दिए और उन्हें युद्धस्तर पर पूरा करने का आह्वान किया। इस बीच, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पानी के टैंकर तैनात करने के निर्देश दिए।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एनआईटी श्रीनगर ने उत्साह के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया, मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर, 29 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने शुक्रवार को एक शपथ समारोह और कई खेल गतिविधियों के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। इस अवसर पर देश भर के संस्थानों ने हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम छात्र गतिविधि एवं खेल (एसएएस) केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए एक फिटनेस शपथ ली गई।राष्ट्रीय खेल दिवस हर साल 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद के सम्मान में मनाया जाता है जिन्हें सर्वकालिक महान हॉकी खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात ध्यानचंद के बेजोड़ कौशल और खेल भावना ने भारत को गौरव दिलाया जिसमें 1928, 1932 और 1936 में तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं। यह दिन दैनिक जीवन में खेल और फिटनेस के महत्व को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में मनाया जाता है। इस अवसर पर एनआईटी श्रीनगर के रजिस्ट्रार प्रो. अतीकुर रहमान ने कहा कि संस्थान में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन छात्र जीवन में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और लचीलापन पैदा करते हैं बल्कि उन्हें एकता और नेतृत्व भी सिखाते हैं। इस दिन को मनाना हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देने का हमारा तरीका है जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। प्रो. रहमान ने कहा कि भारतीय खेलों में मेजर ध्यानचंद का योगदान अद्वितीय है और हम सभी के लिए एक प्रेरणास्रोत है। डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू), प्रो. आबिद बजाज ने व्यक्तित्व निर्माण में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। एसएएस के प्रभारी संकाय डॉ. मनोज ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र परिसर में खेल संस्कृति को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसएएस अधिकारी कौसर अली मीर ने कहा कि छात्रों के साथ-साथ संकाय और कर्मचारियों की मज़बूत भागीदारी संस्थान में समावेशी खेल वातावरण को दर्शाती है।

रामकोट पुलिस ने गुमशुदा महिला को खोजकर उसके परिवार को सौंपा

कठुआ, 29 अगस्त (हि.स.)। एसएसपी कठुआ के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने बिलावर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक गुमशुदा महिला का पता लगाया और उसे उसके परिवार से मिलाया।

जनकारी के अनुसार एक मई 2025 को रामकोट निवासी कमला देवी ने अपनी 22 वर्षीय पुत्रवधू निर्मला देवी पत्नी संसार सिंह के गुमशुदा होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस पोस्ट रामकोट में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस पोस्ट रामकोट की एक टीम ने विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली, सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और तकनीकी सहायता तथा समय पर मानवीय हस्तक्षेप की मदद से गुमशुदा महिला का स्थान ग्रेटर कैलाश जम्मू पाया गया। इस पर रामकोट की पुलिस टीम जम्मू की ओर रवाना हुई और गुमशुदा महिला को बरामद किया। सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उक्त गुमशुदा महिला को उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया।

डीसी कठुआ ने मिशन युवा के तहत 290 नए मामलों को मंजूरी दी

कठुआ, 29 अगस्त (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति कठुआ ने शुक्रवार को मिशन युवा पहल के तहत 290 नए मामलों को मंजूरी दी। इन स्वीकृतियों के साथ जिले में स्वीकृत मामलों की कुल संख्या 522 हो गई है।

योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कौशल विकास एवं व्यवसाय इकाई को लंबित मामलों के सत्यापन में तेजी लाने और मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लाभार्थियों को समय पर सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। एडीडीसी कठुआ सुरिंदर मोहन, डीआईसी कठुआ के महाप्रबंधक मुश्ताक चैधरी, मुख्य कृषि अधिकारी जतिंदर कुमार, सहायक निदेशक रोजगार कठुआ पीयूषा खजूरिया, डीडीएम नाबार्ड, क्लस्टर प्रमुख जेएंडके बैंक, लीड बैंक मैनेजर और अन्य हितधारक उपस्थित थे। इन विभागों और एजेंसियों के सामूहिक प्रयासों से जिले में मिशन युवा की पहुँच और प्रभाव को मजबूत करने की उम्मीद है। गौरतलब हो कि मिशन युवा एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके युवाओं में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। नए मामलों की स्वीकृति से जिले के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र और आर्थिक विकास को पर्याप्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ज़दगई गाँव के निवासी भारी बारिश के कारण स्थानीय नाले में अचानक आई बाढ़ से दहशत में

बांदीपुरा, 29 अगस्त (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपुरा ज़िले के गुरेज की तुलैल तहसील के ज़दगई गाँव के निवासी भारी बारिश के कारण स्थानीय नाले में अचानक आई बाढ़ से दहशत में आ गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के दौरान पानी का स्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया जिससे लकड़ी के लट्ठे और कीचड़ बहकर नीचे की ओर आ गया। स्थानीय निवासी शब्बीर अहमद ने कहा कि पानी का स्तर अचानक बढ़ गया और यह डरावना था। हम अपनी जान बचाने के लिए भागे। कई ग्रामीणों को संदेह है कि बादल फटने से नाले में बाढ़ आई होगी। हालाँकि किसी बड़े नुकसान या क्षति की सूचना नहीं है। यह घटना शाम लगभग 6 बजे हुई। गुरेज़ के एसडीएम मुख्तार अहमद ने पुष्टि की कि किसी की जान नहीं गई है या चोट नहीं पहुँची है और घरों को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। हालाँकि उन्होंने बताया कि किशनगंगा नदी से निकलने वाले नाले में अचानक आई बाढ़ के कारण ज़दगई गाँव की ओर जाने वाली सड़क आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है। एसडीएम ने आगे कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और आगे कोई खतरा नहीं है।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के समर्थन में उतरे भाजपा नेता, राष्ट्रीय खेल दिवस पर ब्लैक डे का किया समर्थन

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ब्रह्म ज्योत सत्ती (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा) और अरुण प्रभात (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा युवा मोर्चा) ने जम्मू-कश्मीर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस पर मनाए गए ब्लैक डे का समर्थन किया। खिलाड़ियों ने यह कदम एनसी सरकार द्वारा एस.ओ 12 के तहत लंबित अंतिम चयन सूची जारी न करने और लगातार हो रही उपेक्षा के विरोध में उठाया। मीडिया से बातचीत के दौरान दोनों भाजपा नेताओं ने कहा कि 235 खिलाड़ियों की अस्थायी सूची उपराज्यपाल प्रशासन ने जून 2024 में जारी की थी, लेकिन 11 महीने बाद भी अंतिम चयन सूची जारी नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सरकार ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों को नज़रअंदाज़ करते हुए उन्हें बेरोज़गारी और असुरक्षा की ओर धकेल दिया है। अरुण प्रभात ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हमेशा बंदूक उठाने वालों को प्राथमिकता देकर नौकरी दी, जबकि मैदान में पसीना बहाकर पदक जीतने वाले खिलाड़ी आज भी उपेक्षित हैं और ओवरएज हो रहे हैं।

सांबा पुलिस को खैर की लकड़ी के लट्ठे बरामद, वाहन जब्त

सांबा, 29 अगस्त, (हि.स.)। सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन सांबा के अधिकार क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में खैर की लकड़ी के लट्ठे बरामद किए हैं और एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की है।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पीएस सांबा की पुलिस चौकी गोरान की एक टीम ने डाबरी गोरान के पास पंजीकरण संख्या जेके21जे-9708 नंबर की एक ट्रैक्टर ट्रॉली को जांच के लिए रोका। चेकिंग के दौरान वाहन में खैर की लकड़ी के लट्ठे लदे हुए पाए गए जिन्हें बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव ने जम्मू के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव सुश्री मनदीप कौर ने हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश से हुए व्यापक नुकसान का आकलन करने के लिए आज जम्मू शहर के विभिन्न हिस्सों का व्यापक दौरा किया। भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचाया है और निवासियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा है।

अपने दौरे के दौरान सुश्री कौर ने पाया कि कई रिहायशी इलाकों में बाढ़ आ गई है जिससे घरों में पानी और मलबा भर गया है। महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रमुख नाले, पुल और सड़क संपर्क क्षतिग्रस्त हो गए हैं जबकि कुछ हिस्सों में सड़कें पूरी तरह बह गई हैं जिससे वाहनों की आवाजाही असंभव हो गई है। शहर का पेयजल आपूर्ति नेटवर्क भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे लोगों की असुविधा और बढ़ गई है।आयुक्त सचिव ने ग्रेटर कैलाश, सैनिक कॉलोनी, सुंजवान, बठिंडी, बोरिया बस्ती, बहू किला, विक्रम चौक, तवी ब्रिज, तालाब तिल्लो, रूपनगर, राजिंदर नगर और बनतालाब सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया और नुकसान और चल रहे राहत उपायों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। उनके साथ जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव भी थे जिन्होंने उन्हें जेएमसी टीमों और अन्य संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से किए जा रहे राहत और बहाली कार्यों की जानकारी दी।मौके पर ही निर्देश जारी करते हुए सुश्री कौर ने अधिकारियों को स्थायी और टिकाऊ समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए तुरंत बहाली कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अस्थायी पैचवर्क बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि जहाँ भी सड़कें, पुल, नालियाँ या गलियाँ क्षतिग्रस्त हुई हैं वहाँ केवल टिकाऊ और दीर्घकालिक तरीके ही अपनाए जाने चाहिए।

जम्मू में तवी पुल ढहने के बाद सेना ने बेली ब्रिज का किया निर्माण

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। भारतीय सेना ने जम्मू में तवी नदी पर एक बेली ब्रिज का निर्माण शुरू कर दिया है क्योंकि इस सप्ताह की शुरुआत में भारी बारिश और नदी की बाढ़ के कारण चौथे पुल का एक हिस्सा बह गया था ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) फारूक कैसर ने कहा कि घटना मंगलवार को हुई जब नदी में जल स्तर बढ़ने के कारण पुल का एक हिस्सा ढह गया।उन्होंने कहा कि पुल का एक हिस्सा (जम्मू में तवी नदी पर चौथा पुल) 26 अगस्त को ढह गया। सतवारी चौक और एशिया क्रॉसिंग के बीच एकतरफा यातायात खुला है। यहां कई लोग काम पर हैं

राष्ट्रीय खेल दिवस पर ईपीएफओ जम्मू में शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जम्मू की ओर से 27 से 29 अगस्त तक शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। यह आयोजन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को समर्पित रहा। इस वर्ष का थीम भारत का ओलंपिक भावना को नमन—उत्कृष्टता, मित्रता और सम्मान, प्रतिभागियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। टूर्नामेंट में ईपीएफओ जम्मू के 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी रणनीतिक सोच व प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। विजेताओं में अकाउंट्स ऑफिसर अमन धंधी प्रथम, एन्फोर्समेंट ऑफिसर टी. शिवा मूर्ति द्वितीय और वरिष्ठ सामाजिक सुरक्षा सहायक परमजीत सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एशियन सिल्वर मेडलिस्ट (रोलर हॉकी) एवं दो बार के नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट जतिन सबरवाल उपस्थित रहे। उन्होंने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान करते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक मजबूती के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं और कर्मचारियों को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जतिन सबरवाल को भी मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी प्रदान की गई, उनके खेलों में उत्कृष्ट योगदान और जम्मू-कश्मीर का मान बढ़ाने के लिए। साथ ही, ईपीएफओ के एन्फोर्समेंट ऑफिसर देवेंद्र सिंह को भी यह सम्मान दिया गया। उन्होंने 7 बार राष्ट्रीय स्तर पर बास्केटबॉल में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व कर खेलों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

महिला डिग्री कॉलेज ने राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

कठुआ, 29 अगस्त (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। महाविद्यालय की खेल समिति ने प्राचार्य डॉ. सावी बहल के समग्र निर्देशन में छात्रों में खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए इनडोर खेलों का आयोजन किया।

ये कार्यक्रम महाविद्यालय के बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित किए गए, जहाँ छात्रों ने शतरंज और कैरम में सक्रिय रूप से भाग लिया। दोनों प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की गहरी रुचि, उत्साह और उल्लेखनीय प्रतिभा देखी गई।

कार्यक्रम का संचालन खेल समिति के सदस्यों प्रो. यश पॉल (संयोजक), डॉ. अंबिका, प्रो. करम चंद, प्रो. मनजोत सिंह और पीटीआई संजीव जामवाल की देखरेख में सुचारू रूप से किया गया। इस अवसर पर डॉ. रचना देवी, प्रो. रजनेश शर्मा, डॉ. लखविंदर सिंह, डॉ. सतीश खजूरिया, डॉ. रितु राज और डॉ. नीरज सहित अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी मैचों का आयोजन

जम्मू,, 29 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भुंतर के एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड पुंछ में शम लाल हॉकी क्लब और पावर हाउस हॉकी क्लब द्वारा हॉकी जेएंडके के तत्वावधान में और युवा सेवा एवं खेल विभाग एवं जिला खेल परिषद पुंछ के सहयोग से प्रदर्शनात्मक हॉकी मैच आयोजित किए गए। पीएचएचसी, केआईएचसी, एसएलएच और पीएमडीपी की टीमों ने इस रोमांचक मुकाबले में हिस्सा लिया। लड़कों की श्रेणी में शम लाल हॉकी क्लब ने केआईएचसी और पीएमडीपी को 2-1 से हराया, जबकि केआईएचसी लड़कियों की टीम ने 1-0 के गोल से जीत दर्ज की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन लाल शर्मा एएसपी पूंछ थे, जबकि , एडवोकेट संजीव शर्मा (हॉकी जेएंडके के उपाध्यक्ष) और नरजीत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पीएचएचसी पूंछ के अध्यक्ष संजीव कुमार ने स्वागत भाषण दिया।

बाढ़ से प्रभावित महाविद्यालयों का एसीएस शांतमनु ने किया निरीक्षण, शीघ्र बहाली का दिया आश्वासन

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। हाल ही में आई अचानक बाढ़ से उच्च शिक्षा संस्थानों के ढांचे को भारी क्षति पहुँचने और शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावित होने के बाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्त आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग शांतमनु ने जीजीएम साइंस कॉलेज और सरकारी एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स का दौरा किया। उनके साथ जम्मू डिवीजन कॉलेजों के नोडल प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रविंदर टिक्कू भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता, प्रिंसिपल जीजीएम साइंस कॉलेज और प्रो. (डॉ.) राजिंदर सिंह, प्रिंसिपल एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने उन्हें विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक ब्लॉकों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और छात्रावासों में जलभराव होने के साथ-साथ फर्नीचर, उपकरण और अध्ययन सामग्री को नुकसान पहुँचा है। जीजीएम साइंस कॉलेज का बॉटनिकल गार्डन, लॉन, बाउंड्री वॉल और अन्य हरित क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं, जबकि एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स में ढांचागत क्षति के कारण कक्षाओं और छात्र सुविधाओं का संचालन बाधित हुआ है।

निरीक्षण के दौरान शांतमनु ने स्थिति पर गंभीर चिंता जताई और छात्रों व स्टाफ को हुई

असुविधा पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को आश्वस्त किया कि उच्च शिक्षा विभाग शैक्षणिक गतिविधियों की जल्द से जल्द बहाली के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कॉलेजों से कहा कि क्षति और तात्कालिक आवश्यकताओं की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने दोहराया कि विभाग का संकल्प है कि उच्च शिक्षा संस्थानों की बुनियादी ढांचा संरचना को और अधिक लचीला बनाया जाए ताकि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर सामना किया जा सके। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्थलों की सुरक्षा आवश्यक है ताकि शिक्षण और शोध कार्य अबाध रूप से जारी रह सकें।

तवी नदी में आई बाढ़ से सितली फिल्ट्रेशन प्लांट क्षतिग्रस्त, जलापूर्ति प्रभावित; हालात का जायजा लेने पहुंचे विधायक

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। तवी नदी में हाल ही में आई अचानक बाढ़ से सितली फिल्ट्रेशन प्लांट को भारी नुकसान पहुँचा है, जिसके चलते जम्मू पश्चिम की हजारों आबादी को नियमित जलापूर्ति बाधित हो गई है।

हालात का जायजा लेने और मरम्मत कार्यों की समीक्षा करने के लिए जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता आज प्लांट का दौरा कर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एक्सईएन सिविल सिटी डिवीजन-1 तेजिंदर पाल सिंह, एईई सिविल पंकज मोहन शर्मा, जेईज़ रणदीप सिंह, अमित पाल सिंह और विक्रम रैना मौजूद रहे।

वहीं मैकेनिकल विंग से एईई पंकज शर्मा और जेईज़ भूपिंदर सिंह, जगदेव सिंह और सुनीत सिंह भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान गुप्ता ने जल शुद्धिकरण प्रक्रिया, संचालन प्रणाली और बाढ़ से हुई क्षति का बारीकी से आकलन किया। उन्होंने

अधिकारियों से पानी की निरंतर और स्वच्छ आपूर्ति सुनिश्चित करने में आ रही चुनौतियों की जानकारी ली। क्षतिग्रस्त राइजिंग मेन्स पाइपलाइन के कारण सिटली से मांडा और लोहार क्षेत्रों तक आपूर्ति बाधित हो रही है। विधायक ने जनता से अपील की कि पूर्ण बहाली होने तक पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा, सितली फिल्ट्रेशन प्लांट जम्मू पश्चिम और आसपास के हजारों घरों की जीवनरेखा है। हमारी प्राथमिकता है कि जल्द से जल्द इसकी कार्यक्षमता बहाल की जाए ताकि लोगों को स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके, खासकर मानसून में जब संक्रमण का खतरा अधिक होता है। गुप्ता ने उपकरणों की नियमित निगरानी और समय-समय पर अपग्रेडेशन पर जोर दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जलापूर्ति ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इंजीनियरों और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाने का सुझाव भी दिया ताकि भविष्य में बाधाएं न्यूनतम हों।

संपादकीय

महिला सुरक्षा के आँकड़े हैरान करने वाले

यह वाकई चौंकाने वाला है कि पिछले 11 सालों से देश पर राज कर रही सरकार, जो महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का ढिंढोरा पीट रही है और उसके मंत्री इस मुद्दे पर अपनी शेखी बघारने का कोई मौका नहीं छोड़ते, ज़मीनी स्तर पर उपलब्ध आँकड़े एक भयावह तस्वीर पेश करते हैं, जो बताते हैं कि भारत के शहरों में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएँ खुद को असुरक्षित या असुरक्षित महसूस करती हैं। यह बात राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहतकर द्वारा जारी की गई राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट और महिला सुरक्षा सूचकांक (NARI 2025) में सामने आई है। यह निराशाजनक स्थिति एक रिपोर्ट में सामने आई है, जिसमें 31 शहरों की 12,770 महिलाओं का सर्वेक्षण किया गया है और महिला सुरक्षा का आँकड़ों पर आधारित आकलन प्रस्तुत किया गया है। इस रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर में रहने वाले लोगों, खासकर महिलाओं के संबंध में एक नकारात्मक सामग्री है, क्योंकि श्रीनगर को महिलाओं के लिए सबसे कम सुरक्षित शहरों के समूह में रखा गया है। गौरतलब है कि उपरोक्त रिपोर्ट में कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बताया गया है, जबकि रांची, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर के अलावा श्रीनगर को सबसे कम सुरक्षित शहर बताया गया है, जिससे केंद्र सरकार के बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के नारे की हवा निकल गई है। इतने सारे शहरों में महिला सुरक्षा के गिरते रिकॉर्ड को देखते हुए, देश के शासन को चलाने वालों की प्रभावशीलता का अंदाजा लगाया जा सकता है, खासकर ऐसे संवेदनशील मुद्दों के संबंध में। यह पता चला है कि 2024 में सात प्रतिशत महिलाओं ने उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की, जो एनसीआरबी-2022 के अपराध आंकड़ों की तुलना में काफी अधिक है, जिससे इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है अन्यथा आने वाले समय में स्थिति हाथ से निकल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, खराब रोशनी और सीमित सुरक्षा के कारण रात में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ जाती हैं, 33 प्रतिशत महिलाओं ने घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कराई और 16 प्रतिशत ने कार्रवाई देखी। इसके अतिरिक्त, 53 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम नीतियों से अनभिज्ञ थीं, जो फिर से परेशान करने वाली बात है क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों सरकारें इस महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में जागरूकता फैलाने में बुरी तरह विफल रही हैं। यह संभावना है कि ऐसी रिपोर्ट हमारे शहरों में महिलाओं की सुरक्षा चिंताओं के बारे में जागरूकता फैलाने और समझ फैलाने में मदद करेंगी। जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, गृह मंत्रालय के नियंत्रण में पुलिस के साथ, यह उम्मीद की जाती है कि शहर और कस्बे सभी के लिए विशेष रूप से महिलाओं के लिए सुरक्षित होने चाहिए, लेकिन महिला सुरक्षा सूचकांक ने चीजों को अलग तरह से इंगित किया है जिससे यह आवश्यक हो गया है कि कर्णधार आवश्यक कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि चाहे दिन हो या रात, घर हो या कार्यालय, या बाजार, महिलाओं को केंद्र शासित प्रदेश के हर नुक्कड़ पर सुरक्षित महसूस करना चाहिए।

मध्यप्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है।

कडॉ. मोहन यादव

भारत का हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्य प्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्य प्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है।

मध्य प्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।

प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहु आयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है।

प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्य प्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि से मध्य प्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है।

सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्य प्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है।

मध्य प्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है।

ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरुआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में टैंपल ऑफ जीरो के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया। धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगो और स्मारकों का निर्माण आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर, देवी लोक सलकनपुर सीहोर, श्री रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्ना, श्री पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, श्री परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवा माता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, माँ नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर, देवी अहिल्या लोक खरगौन और नागलवाड़ी लोक बड़वानी में किया जा रहा है। एक ओर जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निर्माताओं को मध्य प्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाँव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परिचित हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओं को पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये, जो एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्य प्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले हैं, पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उद्योग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्य प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से प्रगति

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस वर्ष भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया है। इस तरह भारत के रक्षा औद्योगिक इतिहास में नया अध्याय लिख गया है। यह केवल एक रिकॉर्ड तोड़ संख्या नहीं, बल्कि उस परिवर्तन का प्रतीक है जिसकी नींव पिछले एक दशक में रखी गई और जिसे अब ठोस परिणाम के रूप में देखा जा सकता है।

वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सामर्थ्य के क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक प्रयासों की परिणति है। पिछले वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में यह 18 प्रतिशत की सशक्त वृद्धि है, जबकि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत की छलांग है, जो यह दर्शाती है कि भारत ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में कितनी तेज़ी से प्रगति की। यह तथ्य है कि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90 प्रतिशत की विस्मयकारी छलांग है। इन आँकड़ों के पीछे पिछले दशक में अपनाई गई नीतियों, सुधारों और निवेशों की पूरी श्रृंखला है, जिसने भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डिफेन्स पबलिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स), अन्य सार्वजनिक निर्माताओं और निजी उद्योग के सभी हितधारकों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया है। वस्तुतः यह कथन केवल औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि एक नीतिगत घोषणा भी है कि भारत का रक्षा उद्योग अब एक ऐसे स्तर पर पहुँच चुका है जहाँ वह न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि निर्यात में भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

अब जरा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भूमिकाओं पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। डिफेन्स पबलिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रम कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। यह आँकड़ा एफवाई 2023-24 में 21 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि निजी उद्योग की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह वृद्धि केवल प्रतिशत में नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन में भी दिखती है; एफवाई 2024-25 में निजी क्षेत्र के उत्पादन में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही। इसका अर्थ है कि निजी उद्योग न केवल रक्षा विनिर्माण में अधिक निवेश कर रहा है, बल्कि उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में भी तेजी से प्रगति कर रहा है।

यदि हम थोड़ा पीछे जाएँ तो स्थिति इतनी आशाजनक नहीं थी। 2014-15 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन लगभग 77,000 करोड़ रुपये के आसपास था। उस समय देश की रक्षा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता था। रूस, फ्रांस, अमेरिका, और इज़राइल जैसे देशों से हथियार, मिसाइल, विमान और नौसैनिक उपकरण बड़ी मात्रा में खरीदे जाते थे। घरेलू निर्माण मुख्यतः कुछ सीमित हथियार प्रणालियों और उपकरणों तक ही सीमित था और उनमें भी उच्च तकनीकी घटक विदेशों से आयात किए जाते थे।

किंतु हम देखते हैं कि वर्ष 2016 के बाद से इस क्षेत्र में परिदृश्य बदलना शुरू हुआ। 'मेक इन इण्डिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई और निजी उद्योग को इसमें प्रवेश देने के लिए नीतिगत दरवाज़े खोले गए।

2017-18 में कुल उत्पादन 84,000 करोड़ रुपये के आसपास पहुँच गया, लेकिन सबसे बड़ा मोड़ 2020 में आया, जब 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र को आयात प्रतिस्थापन के स्पष्ट लक्ष्य दिए गए। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी-2020) और रक्षा उत्पादन एवं निर्यात संवर्धन नीति (डीपीईपीपी-2020) ने उद्योग को दिशा और स्थिरता दी।

इन नीतियों के तहत 'नकारात्मक आयात सूची' जारी की गई, जिसमें दर्ज सैकड़ों उपकरणों और हथियारों को भविष्य में केवल भारत में ही निर्मित करने का प्रावधान किया गया। यह कदम न केवल विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में था, बल्कि घरेलू उद्योग को स्थायी बाज़ार सुनिश्चित करने वाला भी साबित हुआ। साथ ही, श्रजन पोर्टल के माध्यम से विदेशी उपकरणों के स्वदेशी विकल्प विकसित करने के प्रयास तेज़ हुए।

आज जब हम 2024-25 के आँकड़ों को देखते हैं तो स्पष्ट होता है कि ये नीतिगत कदम परिणाम दे रहे हैं। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और अन्य सार्वजनिक निर्माता कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो 2023-24 में 21 प्रतिशत थी। यह परिवर्तन मामूली नहीं है, क्योंकि निजी क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि 28 प्रतिशत रही है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही।

आज देखने में आ रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में एचएएल, बीईएल, बीडीएल, एमडीएल, जीआरएसई जैसी कंपनियाँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने तो बहुत कम समय में बड़ा काम करके दिखा दिया है, उसने तेजस हल्के लड़ाकू विमान, ध्रुव हेलिकॉप्टर और रुद्र अटैक हेलिकॉप्टर का निर्माण किया है। इसी तरह से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने राडार, संचार उपकरण और आकाश वायु रक्षा प्रणाली में अपनी क्षमता साबित की है। निजी क्षेत्र में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा डिफेंस और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियाँ अब मिसाइल लांचर, आर्मर्ड व्हीकल, नौसैनिक जहाज़ और एयरोस्पेस कंपोनेंट्स का निर्माण कर रही हैं।

यही कारण है कि आज रक्षा निर्यात के मोर्चे पर भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-15 में यह आँकड़ा मुश्किल से 1,500 करोड़ रुपये के आसपास था। 2016-17 में यह 1,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,682 करोड़ रुपये हुआ। 2018-19 में यह 10,745 करोड़ रुपये और 2022-23 में 15,920 करोड़ रुपये तक पहुँचा। 2023-24 में यह 21,083 करोड़ रुपये और अब 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर है। यह वृद्धि न केवल आयात पर निर्भरता घटाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

एक एक उत्साह से भर देनेवाला आंकड़ा है; भारत अब 90 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। इनमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई देश शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल का फिलीपींस को निर्यात, रक्षा कूटनीति का एक सफल उदाहरण है। आने वाले वर्षों में सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँचाना है। इसके लिए हथियार प्रदर्शनियों, द्विपक्षीय रक्षा समझौतों, सस्ते वित्तपोषण और रक्षा अटैशे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। हालाँकि, इन सफलताओं के बावजूद चुनौतियाँ कम नहीं हैं। उन्नत इंजन तकनीक, जेट इंजन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और कुछ विशेष सामग्री के लिए अभी भी विदेशी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बनी हुई है। अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र का योगदान अपेक्षाकृत कम है, जबकि दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए यही वह क्षेत्र है जो निर्णायक साबित होता है।

मैदान की नायिकाएँ- ओलंपिक में भारतीय महिला खिलाड़ियों का उदय

भारतीय खेल इतिहास लंबे समय तक पुरुष प्रधान रहा, लेकिन बीते कुछ दशकों में महिलाओं ने जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वह अभूतपूर्व है।

कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी सीमित और हाशिए पर थी, परंतु आज भारतीय बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहरा रही हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों का ओलंपिक प्रतिनिधित्व निरंतर बढ़ता गया है। 2000 में नगण्य उपस्थिति से शुरू होकर यह आँकड़ा आज 40-44% तक पहुँच चुका है। यह बदलाव केवल खेलों का नहीं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण और बदलती सोच का भी प्रतीक है। कहा जाता है—भर्तृभक्त्या स्त्रियः श्रेयो लभन्ते लोकसम्मतम्। अर्थात् स्त्रियाँ अपनी निष्ठा और कर्म से लोक में श्रेष्ठ यश प्राप्त करती हैं। 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में मैरी डिसूजा ने भारत का प्रतिनिधित्व कर इतिहास रचा। वे पहली भारतीय महिला एथलीट थीं जिन्होंने ओलंपिक मंच पर कदम रखा।

उस समय न पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएँ थीं, न ही समाज से उन्हें व्यापक स्वीकृति मिलती थी। धीरे-धीरे समय बदला और 1980 के दशक में पी.टी. ऊषा भारतीय खेलों का बड़ा नाम बनीं।

ट्रैक क्वीन कही जाने वाली ऊषा ने 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में 400 मीटर हर्डल्स में चौथा स्थान पाकर इतिहास रचा।

पदक से कुछ सेकंड दूर रह जाने पर भी उन्होंने दिखाया कि भारतीय महिलाएँ ट्रैक पर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। उनकी उपलब्धि ने असंख्य बेटियों को खेलों की ओर प्रेरित किया।

इसके बाद खेलों में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ती गई। 2000 के दशक में कर्णम मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग का कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वे भारत की पहली महिला बनीं जिन्होंने ओलंपिक में पदक हासिल किया। इस उपलब्धि ने महिलाओं की खेल यात्रा में नया साहस और आत्मविश्वास भर दिया। 2010 के बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों का स्वर्णिम दौर शुरू हुआ। 2012 लंदन ओलंपिक में साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में कांस्य जीतकर खेल को घर-घर पहुँचाया। उसी वर्ष मणिपुर की मैरी कॉम ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीतकर साबित किया कि साधारण पृष्ठभूमि, माँ और पत्नी होने की जिम्मेदारियों के बावजूद विश्वस्तरीय खिलाड़ी बन सकती हैं।

उनका संघर्ष प्रेरणादायक कथा है—साधारण परिवार से निकलकर पाँच बार की विश्व चैंपियन बनीं और राज्यसभा सांसद के रूप में भी सभी को प्रेरणा देती रहीं।

2016 रियो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं ने देश की उम्मीदों को संभाला। पी.वी. सिंधु ने बैडमिंटन में रजत पदक जीता और साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य पदक। दीपा कर्माकर ने जिम्नास्टिक में प्रोडुनोवा जैसे कठिन वॉल्ट को सफलतापूर्वक कर देश को रोमांचित किया। यहीं से यह धारणा और गहरी हो गई कि महिलाएँ अब हर खेल में समान रूप से आगे बढ़ सकती हैं।

2020 टोक्यो ओलंपिक (2021) में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीता, लवलीना बोरगोहेन ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक हासिल किया और पी.वी. सिंधु ने लगातार दूसरी बार पदक जीतकर इतिहास रचा।

इन उपलब्धियों का प्रभाव पदकों से कहीं आगे बढ़ा। अब ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियाँ, जहाँ खेलना कभी असंभव माना जाता था, मैरी कॉम, साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को देखकर आगे बढ़ रही हैं। हरियाणा जैसे राज्यों के छोटे गाँवों से निकलकर बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँच रही हैं, वहीं कभी बेटियों के जन्म पर खुशी तक नहीं मनाई जाती थी। भारतीय महिलाओं का खेल सफर सशक्तिकरण की जीवंत गाथा है।

बदलते समाज में परिवार बेटियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में सुविधाएँ बढ़ी हैं और सरकार खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। इस यात्रा से यह सिद्ध होता है कि वास्तविक बदलाव सिर्फ पदकों से नहीं, बल्कि उन संघर्षों से उपजता है जिन्हें खिलाड़ी अपने पीछे प्रेरक उदाहरण के रूप में समाज के लिए छोड़ जाती हैं। पी.टी. ऊषा की दौड़, कर्णम मल्लेश्वरी का ऐतिहासिक पदक, मैरी कॉम की जुझारू लड़ाई, सिंधु का आत्मविश्वास और मीराबाई का साहस—ये सब मिलकर भारतीय महिलाओं की बदलती स्थिति की कथा कहते हैं। जैसा कि मैरी कॉम ने कहा है—कभी हार मत मानो, क्योंकि जब तुम हार मानते हो, तभी तुम्हारी असली हार होती है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी केवल पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि रूढ़ियाँ तोड़कर बेटियों को प्रेरित कर रही हैं और यह संदेश दे रही हैं कि खेल जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा है—संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास। आने वाले समय में जब इतिहास लिखा जाएगा तो यह कहा जाएगा कि इक्कीसवीं सदी में भारतीय महिलाओं ने खेलों के दिशा और स्वरूप को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया।

डॉ शिवानी कटारा

(लेखिका - दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनामिक्स से पीएचडी है एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय है

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभारः प्रभासाक्षी

जर्मन कप : केन के आखिरी मिनट के गोल से बायर्न म्यूनिख की जीत

एजेंसी

म्यूनिख। हैरी केन ने इंजरी टाइम में निर्णायक गोल कर बायर्न म्यूनिख को जर्मन कप के पहले दौर में (भारतीय समयानुसार गुरुवार) तीसरे डिवीजन की टीम वीहेन वीसबाडेन पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई। बायर्न ने मैच की शुरुआत शानदार की और 16वें मिनट में साचा बोए पर फाउल होने के बाद केन ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए बढ़त दिलाई। यह केन का क्लब और देश के लिए लगातार 31वां सफल पेनल्टी था। दूसरे हाफ की शुरुआत में 51वें मिनट में माइकल ओलिसे ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल दागा और टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। हालांकि, इसके बाद वीसबाडेन ने शानदार वापसी की। कप्तान फातिह काया ने 64वें मिनट में निक्लास मे के बेहतरीन क्रॉस पर स्लाइडिंग वॉली से गोल किया। महज पांच मिनट बाद मोरिट्ज फ्लोथो के हेड फ्लिक पर काया ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-2 कर दिया। 76वें मिनट में बायर्न को एक और पेनल्टी मिली, लेकिन इस बार केन का शॉट गोलकीपर फ्लोरियन स्ट्रिटज़ेल ने रोक दिया। यह केन की 2022 विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद पहली पेनल्टी मिस थी। आखिरी क्षणों में जब मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, तभी चौथे मिनट के इंजरी टाइम में जोसिप स्टैनिसिच के क्रॉस पर केन ने हेडर लगाकर गोल दागा और टीम को हार से बचा लिया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत ने 73 सदस्यीय टीम की घोषणा की, मरियप्पन-शरद बाहर

नई दिल्ली। भारत ने अगले महीने होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 73 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस बार टीम की अगुवाई स्टार जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल करेंगे। उल्लेखनीय रूप से, तीन बार के पैरालंपिक पदक विजेता हाई जम्पर मरियप्पन थंगावेलु और टोक्यो व पेरिस पैरालंपिक में पदक जीत चुके हाई जम्पर शरद कुमार टीम में जगह बनाने से चूक गए हैं। यह पहली बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। मरियप्पन (30) ने 2016 रियो पैरालंपिक में स्वर्ण, टोक्यो में रजत और पेरिस में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2023 एशियाई पैरा गेम्स (हांगझोउ) में रजत और 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (कोबे, जापान) में स्वर्ण पदक भी जीता था। हालांकि, इस बार वे चयन ट्रायल्स में शामिल नहीं हुए। कोचों के अनुसार, हाल ही में उन्होंने तकनीक में बदलाव किया है और उन्हें वापसी के लिए समय चाहिए। वहीं, शरद कुमार ने अगले साल जापान में होने वाले एशियाई पैरा गेम्स पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने बताया कि इस बार 107 देशों के एथलीट्स भाग ले रहे हैं और यह अब तक की सबसे बड़ी चैंपियनशिप होगी।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली ने जीता सिंकफील्ड कप 2025 का खिताब, प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर

सेंट लुईस। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने रोमांचक फाइनल राउंड और तीन खिलाड़ी वाले प्लेऑफ में बाज़ी मारते हुए सिंकफील्ड कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। भारत के आर. प्रज्ञानानंद शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब से चूककर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के फबियानो करूआना तीसरे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट के नौवें और अंतिम राउंड में रात के ओवरनाइट लीडर प्रज्ञानानंद और करूआना ने क्रमशः लेवोन अरोनियन और डी. गुकेश से ड्रॉ खेला। इसी बीच वेस्ली सो ने उज़बेक जीएम नोदिर्बेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर खिताबी दौड़ में प्रवेश किया। प्लेऑफ की शुरुआत में प्रज्ञानानंद ने सफेद मोहरों से बेहतरीन खेल दिखाते हुए करूआना को मात दी। हालांकि, खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंचकर भारतीय ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के खिलाफ दूसरी बाज़ी हार गए। इसके बाद वेस्ली ने करूआना को ड्रॉ पर रोकते हुए अपना दूसरा सिंकफील्ड कप खिताब पक्का किया।

एशिया कप 2025 :चीनी ताइपे और बांग्लादेश हॉकी टीमें राजगीर पहुंचीं, 29 अगस्त से भिड़ंत शुरू

राजगीर,। हीरो मेंस एशिया कप 2025 के लिए चीनी ताइपे और बांग्लादेश की पुरुष हॉकी टीमें बिहार के राजगीर पहुंचीं। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 अगस्त से 07 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।चीनी ताइपे की टीम इस टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार हिस्सा ले रही है। उन्होंने अपना डेब्यू 2013 में किया था। मौजूदा समय में एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद टीम पूल बी में है, जहाँ उनके साथ डिफेंडिंग चैंपियन कोरिया, बांग्लादेश और मलेशिया शामिल हैं। टीम 29 अगस्त को कोरिया के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी, इसके बाद 30 अगस्त को बांग्लादेश और 1 सितंबर को मलेशिया से भिड़ेगी। टीम के कप्तान चुन-यू चांग ने कहा, भारत में खेलना हमारे लिए गर्व की बात है। यह एशिया कप में हमारा दूसरा अनुभव है और हम हर मैच का लुत्फ उठाते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।

हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 12वें चरण में चार खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर, अंतिम राउंड रोमांचक होने के आसार

एजेंसी

होसुर (तमिलनाडु)। क्लोवर ग्रीन्स में खेले जा रहे हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 12वें चरण में दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद चार खिलाड़ी संयुक्त रूप से लीड पर पहुंच गई हैं। अमनदीप द्राल ने पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-अंडर 68 का स्कोर बनाया और खुशी खानिजाऊ (75-68), अनन्या गर्ग (72-71) तथा पहले राउंड की लीडर शौकिया खिलाड़ी मन्नत बरार (70-73) के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। स्नेहा सिंह (76-68), जिन्होंने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर खेला, पांचवें स्थान पर रहीं। रिद्धिमा दिलावरी (77-68) ने भी शानदार खेल दिखाते हुए एक ईगल और पांच बर्डी की मदद से वापसी की और करिश्मा गोविंद (74-71) के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहीं। अमनदीप ने

दिन की शुरुआत पहले ही होल पर बर्डी से की और आठवें होल पर दूसरी बर्डी लगाई। नौवें पर बोगी करने के बाद उन्होंने बैक नाइन में लगातार तीन बर्डी (11वें से 13वें होल) बनाकर लय हासिल की। हालांकि 15वें होल पर बोगी करने के बाद 17वें होल पर एक और बर्डी लगाई। खुशी ने छठे और सातवें होल पर बोगी-बर्डी के बाद 9वें से 13वें होल के बीच पांच होल में चार बर्डी बनाई और उसके बाद पांच पार खेलते हुए 68 का स्कोर किया। स्नेहा ने सात बर्डी और तीन बोगी के साथ 68 का कार्ड लौटाया। रिद्धिमा के कार्ड में पांच बर्डी और एक ईगल भी शामिल रहा।पहले दिन की लीडर मनन्त ब्रार ने चार बर्डी और पांच बोगी के साथ 73 का स्कोर बनाया। अन्विता नरेंद्र (75-71) और जैस्मिन शेखर (72-74) संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहीं। शौकिया खिलाड़ियों लावण्या गुप्ता (74-74) और आराध्या शेट्टी (73-75) संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर काबिज हैं। कट 9-ओवर 153 पर पड़ा और 23 खिलाड़ी अंतिम राउंड में जगह बना सके। विद्यात्री उर्स कट पार नहीं कर सकीं। अब जबकि लीडरबोर्ड पर शीर्ष 9 खिलाड़ी मात्र तीन शॉट्स के अंतर में हैं, 15 लाख रुपये इनामी इस टूर्नामेंट का तीसरा और अंतिम राउंड बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। लीड ग्रुप में अमनदीप द्राल, खुशी खानिजाऊ और अनन्या गर्ग खेलेंगी, जबकि दूसरे अंतिम ग्रुप में मननत ब्रार, स्नेहा सिंह और रिद्धिमा दिलावरी उतरेंगी।

राज्य लीगें प्रतियोगी नहीं, प्रतिभा की नर्सरी हैं : डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने देशभर में बढ़ रही टी20 लीगों की सराहना करते हुए कहा है कि ये टूर्नामेंट एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं, बल्कि नई प्रतिभाओं को सामने लाने और निखारने का बेहतरीन मंच हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें भारतीय क्रिकेट के ढांचे को और मजबूत करती हैं तथा खेल के समग्र विकास में योगदान देती हैं।जेटली ने कहा, राज्य लीगें एक-दूसरे की प्रतियोगी नहीं बल्कि अपने-अपने इकोसिस्टम की फीडर हैं। हर राज्य की अपनी प्रतिभा और संरचना है। अधिक लीगों का मतलब है खिलाड़ियों के लिए अधिक मौके और यह भारतीय क्रिकेट के लिए शुभ संकेत है। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे संस्करण पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि पहली सीजन की तुलना में प्रतियोगिता का पैमाना, संगठन और गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि लीग ने न केवल खेल के स्तर को ऊंचा किया है बल्कि पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों के लिए राजधानी में एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासक के तौर पर हमेशा कोशिश रहती है कि पिछले सीजन से बेहतर आयोजन हो–बेहतर तैयारी, बेहतर क्रियान्वयन। इस बार की लीग अधिक पेशेवर और संरचित है। टीमें ज्यादा संगठित हैं, प्रबंधन और मजबूत है और संपूर्ण इकोसिस्टम भी विकसित हुआ है। हर साल रिकॉर्ड टूटे यह जरूरी नहीं, लेकिन निरंतरता और प्रतियोगिता का पैमाना अहम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी एशिया कप 2025 के लिए दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के राजगीर में शुरू हो रहे पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और समर्थकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन खेल जगत के लिए प्रेरणादायी साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा, कल, 29 अगस्त (जो राष्ट्रीय खेल दिवस और मेजर ध्यानचंद की जयंती भी है) को बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 का शुभारंभ हो रहा है। मैं एशिया भर की सभी प्रतिभागी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और समर्थकों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि हॉकी ने हमेशा भारत और एशिया के लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान रखा है। मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट रोमांचक मैचों, असाधारण प्रतिभाओं के प्रदर्शन और यादगार पलों से भरपूर होगा जो खेल प्रेमियों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि बिहार पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 की मेजबानी कर रहा है। हाल के दिनों में, बिहार ने एक जीवंत खेल केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जिसमें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025, एशिया रग्बी यू20 सेवंस चैम्पियनशिप 2025, आईएसटीएएफ सेपकटकरा विश्व कप 2024 और

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों की मेजबानी की गई है। यह निरंतर गति बिहार के बढ़ते बुनियादी ढांचे, जमीनी स्तर के उत्साह और विविध खेल विषयों में प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2025 : दूसरे दौर में हारकर बाहर हुए एचएस प्रणय

एजेंसी

पेरिस। भारतीय शटलर एचएस प्रणय बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। प्रणय ने विश्व नंबर-2 एंडर्स एंटोनसेन (डेनमार्क) के खिलाफ बड़ा उलटफेर करने की कोशिश की, लेकिन रोमांचक संघर्ष के बाद दूसरे दौर में 8-21, 21-17, 21-23 से हारकर बाहर हो गए। प्रणय के पास निर्णायक गेम में दो मैच प्वॉइंट थे, लेकिन वह मौके को भुना नहीं सके। मैच के बाद उन्होंने निराशा जताई और कहा, ÷आखिरी कुछ अंकों में मैंने खराब शॉट खेले। मुझे ज्यादा ऊर्जा बचाकर आक्रामक खेलना चाहिए था। एंटोनसेन ने आखिरी 3-4 प्वॉइंट में आक्रमण किया और मैंने उन्हें आसान स्मैश दिए, जिससे खेल पलट गया। मुझे नेट पर और मौके लेने चाहिए थे। पहले गेम में कमजोर शुरुआत के बावजूद प्रणय ने दूसरा गेम जीतकर मैच को निर्णायक तक खींचा, लेकिन अंत में गलतियां उन्हें महंगी पड़ी। उन्होंने कहा, बड़े टूर्नामेंट

में मैच प्वॉइंट गंवाना हमेशा दर्द देता है। एक मैच पूरी प्रतियोगिता की दिशा बदल सकता है। अगर आप किसी फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को हराते हैं तो आत्मविश्वास मिलता है, लेकिन हारने पर सारी मेहनत व्यर्थ लगती है और खुद पर शक होने लगता है। विश्व और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय पिछले कुछ वर्षों से कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे हैं। उन्हें पुरानी पेट की समस्या, कमर की चोट और पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले चिकनगुनिया जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, मैं लगातार सुधार की कोशिश कर रहा हूं। खेल के लिहाज से मैं अब भी कुछ साल खेल सकता हूं, लेकिन फिटनेस के मामले में युवा खिलाड़ियों के साथ तालमेल बिठा पाना मुश्किल हो रहा है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने ऐतिहासिक यूरोपीय ट्रेबल जीतने वाले युवा फुटबॉलरों को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में मोहाली स्थित मिनर्वा अकादमी फुटबॉल क्लब के युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने यूरोप में दर्ज की गई ऐतिहासिक जीतों को भारतीय फुटबॉल के लिए नई शुरुआत करार दिया।

डॉ. मांडविया ने कहा कि यह भारतीय फुटबॉल की नई शुरुआत है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक गौरव हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने खिलाड़ियों को हमेशा ÷नेशन फर्स्ट÷ की भावना से खेलने का संदेश दिया और कहा कि खिलाड़ियों की सफलता के लिए खेल विज्ञान, पोषण और मनोवैज्ञानिक सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इन खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और

जुनून ही भारत को लगातार जीत की राह पर बनाए रखेगा। मिनर्वा अकादमी की अंडर-14/15 टीम के 22 खिलाड़ियों ने जुलाई-अगस्त 2025 में स्वीडन का गॉथिया कप, डेनमार्क का डाना कप और नॉर्वे का नॉर्वे कप जीतकर अभूतपूर्व यूरोपीय ट्रेबल पूरा किया। गॉथिया कप, डाना कप और नॉर्वे कप को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित युवा फुटबॉल प्रतियोगिताओं में गिना जाता है। मिनर्वा अकादमी की टीम ने 26 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपराजित रहते हुए 295 गोल दागे और केवल कुछ ही गोल खाए। एफसी खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमी मिनर्वा अकादमी ने भारतीय फुटबॉल इतिहास में यह उपलब्धि दर्ज कर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। स्वीडन में हुए गॉथिया कप 2025 के फाइनल में इस टीम ने अर्जेंटीना की एस्कुएला डी फुटबॉल 18 टुकुमान को 4-0 से हराया। इसी तरह डेनमार्क और नॉर्वे में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। व्यक्तिगत स्तर पर भी खिलाड़ियों ने सम्मान हासिल किया, जिसमें कॉन्थौजाम योहेनबा सिंह को गॉथिया कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और हुईड्रोम टोनी को डाना कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

लियोनेल मेसी के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंटर मियामी लीग्स कप 2025 के फाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटर मियामी ने लीग्स कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। (भारतीय समयानुसार) को चेस स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में टीम ने फ्लोरिडा डर्बी प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की दमदार वापसी और दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों ने मियामी की जीत सुनिश्चित की। वहीं, टेलास्को सेगोविया ने इंजरी टाइम में गोल कर मुकाबले पर पूरी तरह से मुहर लगा दी। इस जीत के साथ मियामी ने 31 अगस्त को होने वाले फाइनल में एलए गैलेक्सी या सिएटल साउंडर्स का सामना करने का अधिकार हासिल कर लिया है। साथ ही टीम ने 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। ऑरलैंडो सिटी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में मार्को पासालिच के गोल से बढ़त बनाई थी।

लेकिन दूसरे हाफ में खेल पूरी तरह पलट गया। 77वें मिनट में डेविड ब्रेकालो के रेड कार्ड के बाद मिले पेनल्टी को मेसी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 88वें मिनट में मेसी ने अपने पुराने साथी जोर्डी आल्बा के साथ शानदार तालमेल से दूसरा गोल दागा। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की खुशी चरम पर पहुंच गई। वहीं, 91वें मिनट में सेगोविया ने लुईस सुवारेज़ के साथ वन-टू खेलते हुए तीसरा गोल दागा और मियामी की जीत तय कर दी। अब ऑरलैंडो सिटी को 31 अगस्त को थर्ड-प्लेस मैच में एलए गैलेक्सी या सिएटल साउंडर्स का सामना करना होगा, जहां जीतकर वे 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप का टिकट हासिल करने की कोशिश करेंगे।

प्रयागराज के अभिनव, अलीगढ़ के अदीब व लखनऊ के गौतम की एकतरफा जीत

एजेंसी

प्रयागराज। राजा राम कुमार भार्गव स्मृति 6 रेड उत्तर प्रदेश राज्य स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के अभिनव गुप्ता और अलीगढ़ के अदीब मुस्तफा, लखनऊ के गौतम सिंह, शिकोहाबाद प्रतीक चौधरी और वाराणसी के कबीर करुणिक ने एकतरफा जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश किया। पीसीएसए सचिव विनायक अग्रवाल ने बताया कि बैज बॉल स्नूकर अकादमी में चौथे दिन प्रयागराज के अभिनव गुप्ता ने प्रयागराज के ही अभिषेक कुमार के खिलाफ 4-1 से मुकाबला जीता। अभिषेक कुमार ने तेज खेल दिखाते हुए पहले फ्रेम 46-12 से जीता। इसके बाद अभिनव गुप्ता ने एकाग्रता दिखाई और अगले चारों फ्रेम उन्होंने 46-12, 34-22, 39-26 और

46-6 से जीता अपने नाम करते हुए मुकाबला 4-1 से जीत लिया।अलीगढ़ के अदीब मुस्तफा ने लखनऊ के अमान खान को 4-0 से हराया। अदीब ने अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका न देते हुए 48-17, 32-6, 41-28 और 25-16 से चारों फ्रेम जीतते हुए मुकाबले को एकतरफा बनाकर जीत हासिल की। लखनऊ के गौतम सिंह ने वाराणसी के पुनीत तुलसियान को 4-0 से पराजित किया। गौतम ने पहले फ्रेम 49-12 से जीता इसके बाद 51-11, 46-13 और 47-15 से अगले तीन फ्रेम अपने नाम करते हुए मुकाबला 4-0 से जीत लिया। तुषार तिलारा (लखनऊ) और प्रतीक चौधरी (शिकोहाबाद) के बीच हुए मुकाबले में प्रतीक ने पहले तीन फ्रेम में तुषार को कोई मौका नहीं दिया। चौथे फ्रेम में तुषार लगभग फ्रेम से बाहर हो ही गए थे, लेकिन तुषार ने कुछ अच्छे स्नूकर लगाए और फ़ाउल से 32 अंक हासिल करके फ्रेम में वापसी की। प्रतीक ने पहला फ्रेम 46-8, 39-24, 56-10 और 68-48 से जीतकर तुषार को 4-0 से हराया।

दलीप ट्रॉफी 2025: सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ लगाया शतक

एजेंसी

बेंगलुरु। सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल में तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने सिर्फ 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जिसमें 18 चौके और दो छक्के शामिल रहे। यह 32 वर्षीय मध्य प्रदेश के बल्लेबाज का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 14वां शतक है।

पाटीदार तब क्रीज पर आए जब सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (60 नाबाद) चोटिल होकर रिटायर हर्ट हो गए। पाटीदार ने मात्र 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और अपनी लय बरकरार रखते हुए तीन अंकों तक पहुंचे। इस पारी में सेंट्रल जोन के लिए एक और शतक दानिश मालेवार ने जड़ा। उन्होंने 144 गेंदों पर शानदार शतक पूरा किया। टी ब्रेक तक सेंट्रल जोन ने एक विकेट पर

314 रन बना लिए थे। उस समय पाटीदार 111 रन और मालेवार 132 रन बनाकर नाबाद खेल रहे थे।

इस बार दलीप ट्रॉफी नॉकआउट प्रारूप में खेली जा रही है। क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में नॉर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन बनाम नॉर्थ ईस्ट जोन शामिल हैं। इनकी विजेता टीमें सेमीफाइनल में क्रमशः साउथ जोन और वेस्ट जोन से भिड़ेंगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का होगा आयोजन

नई दिल्ली। हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद जी की जयंती (राष्ट्रीय खेल दिवस) पर श्याम लाल कॉलेज में 29 एवं 30 अगस्त को विविधतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक घंटा खेल के मैदान में का संदेश छात्रों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने और खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को कार्यक्रमों की शुरुआत स्पोर्ट्स असेंबली से होगी। इसके बाद वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता होगी। इसी दिन वरिष्ठ पत्रकार राकेश थपलियाल ओलंपिक्स एवं पैरालंपिक्सः भारतीय दृष्टिकोण विषय पर विशेष व्याख्यान देंगे। 30 अगस्त को भारतीय खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें पिट्ठू, रस्सी-कूद और रस्साकशी प्रमुख आकर्षण रहेंगे। प्राचार्य प्रो. कर ने विश्वास व्यक्त किया कि इन दो दिवसीय आयोजनों से छात्रों में खेल भावना, स्वास्थ्य-जागरूकता और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशाखापट्टनम में होगा प्रो कबड्डी लीग के सीजन 12 का आगाज

एजेंसी

विशाखापट्टनम। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का सीज़न 12 अब तक का सबसे रोमांचक और आक्रामक होने वाला है। इसकी शुरुआत आंध्र प्रदेश के खूबसूरत बंदरगाह शहर विशाखापट्टनम से होगी। रोचक बात यह है कि यह लीग सात साल के अंतराल के बाद भारत के राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को वापसी कर रही है। पीकेएल सीज़न 12 विशाखापत्तनम में 29 अगस्त से 11 सितंबर तक होगा, जिसके बाद यह जयपुर में 12 सितंबर से 28 सितंबर तक, चेन्नई में 29 सितंबर से 10 अक्टूबर तक और नई दिल्ली में 11 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। प्लेऑफ़ और ग्रैंड फ़िनाले के लिए स्थान अभी तय नहीं हुआ है। पीकेएल के इस सीज़न के पहले मैच में घरेलू पसंदीदा टीम तेलुगु टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज़ से होगा, जबकि दूसरे मैच में बेंगलुरु बुल्स और पुनेरी पल्टन विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में आमने-सामने होंगे। नए सीजन की शुरुआत के लिए वरुण बीच स्थित नोवोटेल होटल में भव्य आयोजन हुआ। इसकी शुरुआत मशाल के बिज़नेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के लीग चेयरमैन अनुपम गोस्वामी, तेलुगु टाइटन्स के कप्तान विजय मलिक, तमिल थलाइवाज के कप्तान पवन सहरावत और बाकी 10 कप्तानों ने की। इस अवसर पर मशाल के बिज़नेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के लीग चेयरमैन श्री अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम पीकेएल के एक और शानदार सीज़न की वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। नए सीजन को एक बिल्कुल नए प्रारूप के साथ प्रशंसकों को एक्शन के और भी करीब लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हर मैच का महत्व

और भी बढ़ जाएगा, जिससे इस सीज़न की रौनक और बढ़ जाएगी, क्योंकि हम लीग को विशाखापट्टनम में बहुप्रतीक्षित वापसी करते हुए देख रहे हैं। हम कल अपना राष्ट्रीय खेल दिवस भी मना रहे हैं, जिसमें लीग दिग्गज एथलीटों को सम्मानित करेगी और ऐसे शुभ अवसर पर इस संस्करण की शुरुआत करना बेहद रोमांचक है। तेलुगु टाइटन्स के कप्तान विजय मलिक ने कहा, सीज़न 12 काफ़ी प्रतिस्पर्धी होने वाला है। हर टीम ने अपने आप को मज़बूत किया है और लीग में तैयारी का स्तर काफ़ी ऊँचा है। खिलाड़ियों के तौर पर, हम जानते हैं कि हर मैच हमारी जमकर परीक्षा लेगा और यही बात प्रो कबड्डी लीग के इस सीज़न को अब तक का सबसे रोमांचक सीज़न बनाएगी। इतना तय है कि कोई भी मैच आसान नहीं होगा और हर जीत के लिए काफ़ी मेहनत करनी होगी। इस सीज़न में तमिल थलाइवाज़ की कप्तानी करने जा रहे स्टार रेडर पवन सहरावत ने कहा, घरेलू टीम के ख़िलाफ़ सीज़न की शुरुआत करने से रोमांच और बढ़ जाता है। हम जानते हैं कि दर्शक उनका पूरा समर्थन करेंगे, लेकिन इससे हमें और ज़्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। इस तरह के मैच सीज़न की शुरुआत का रुख़ तय करते हैं और हम दर्शकों को एक शानदार मुक़ाबला देने के लिए उत्सुक हैं।

पीकेएल के तीन सैनिक खिलाड़ी देवांक (भारतीय सेना, बंगाल वॉरियर्स), नवीन (भारतीय वायु सेना, हरियाणा स्टीलर्स), भारत (भारतीय नौसेना, तेलुगु टाइटन्स) भी आईएनएस कुरसुरा में एक विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए।

पहले दिन ही मंगल इलेक्ट्रिकल का कमजोर प्रदर्शन, स्टॉक मार्केट में निराश हुए निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी मंगल इलेक्ट्रिकल के शेयरों ने झ स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 561 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 558 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 556 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को नुकसान का सामना करना पड़ा। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 565 रुपये के स्तर तक भी पहुंचे, लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसके भाव में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद मंगल इलेक्ट्रिकल के शेयर 533.95 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.82 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मंगल इलेक्ट्रिकल का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

शेयर बाजार पर अमेरिकी टैरिफ का कहर, लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ का असर आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में नजर आया। शेयर बाजार आज एक बार फिर बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेज गिरावट आई, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में सुधार होने लगा। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.87 प्रतिशत और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, टेलीकम्युनिकेशन और रियल्टी सेक्टर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही।

भारत-कतर ने व्यापार और निवेश संबंध के विस्तार पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और कतर ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में आर्थिक सहयोग के साथ-साथ कारोबार के अवसरों के विस्तार तथा उभरते क्षेत्र के निवेशों को प्रोत्साहित करने के विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। नई दिल्ली में हुई इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और कतर के दल का नेतृत्व वहां के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद ने किया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इस ऐतिहासिक द्विपक्षीय बैठक में भारत और कतर के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खोलने पर गहन बातचीत की गई। चौधरी ने कहा कि कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में भारत और कतर के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खोलने के उद्देश्य से गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस बैठक में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने, व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने और उभरते क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। चौधरी ने कहा कि प्रतिनिधि मंडल की व्यापक भागीदारी और विचारशील संवाद ने ये स्पष्ट कर दिया कि भारत और कतर भविष्य की साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

पीएमजेडीवाई के 11 साल पूरे, 56 करोड़ से अधिक खाते खुले, जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। देश में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने अपने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान 56 करोड़ से ज?यादा जन-धन खाते खोले गए, जिसमें कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा है। दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल के रूप में पीएमजेडीवाई लाखों वंचित नागरिकों के लिए बैंकिंग तक पहुंच को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों 28 अगस्त, 2014 को शुरू की गई पीएमजेडीवाई योजना ने देशभर में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक आंकड़ों के जरिये बताया कि लगभग 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं, जबकि 56 फीसदी महिलाओं के नाम हैं। इस पहल से दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल होने में मदद मिली है।

भारत में औद्योगिक विकास दर जुलाई में चार महीनों के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक विकास दर जुलाई में चार महीनों के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर रही है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का मजबूत प्रदर्शन करना था। यह जानकारी सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा दी गई। इससे पहले देश में औद्योगिक विकास दर जून में 1.5 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के मुताबिक कि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र ने सालाना आधार पर जुलाई में 5.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र ही देश के विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग संस्थानों से निकलने वाले युवा स्नातकों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार प्रदान करता है। जुलाई में बिजली उत्पादन में मामूली 0.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई और भारी मानसूनी बारिश के कारण उत्पादन में (-) 7.2 प्रतिशत की कमी आई है।

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 23 उद्योग समूहों में से 14 ने पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में जुलाई में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। जुलाई में मैन्युफैक्चर ऑफ बेसिक मेटल उद्योग समूह में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें स्टील प्रोडक्ट्स को शामिल किया जाता है। मैन्युफैक्चर ऑफ इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट उद्योग समूह में 15.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर्स, कंट्रोल पैनल और ट्रांसफॉरमर शामिल किए जाते हैं। वहीं, मैन्युफैक्चर ऑफ अदर नॉनमिटेलिक मिनरल प्रोडक्ट्स उद्योग समूह में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, इसमें सीमेंट आदि आता है।उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़े दर्शाते हैं कि पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन जुलाई में 5 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ बढ़ा। इसमें कारखानों में उपयोग होने वाली मशीनें शामिल हैं। यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था में हो रहे वास्तविक निवेश को दर्शाता है, जिसका भविष्य में रोजगार सृजन और आय पर गुणात्मक प्रभाव पड़ता है। रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और टीवी सेट जैसी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स गुड्स का उत्पादन इस महीने 7.7 प्रतिशत बढ़ा, जो आय में वृद्धि के साथ इन उत्पादों की मांग में वृद्धि को दर्शाता है। राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों में लागू की जा रही बड़ी सरकारी परियोजनाओं के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में 11.9 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

डॉलर की तुलना में 7 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने और डॉलर इंडेक्स के कमजोर पड़ने के कारण आज भारतीय मुद्रा डॉलर पर भारी पड़ती हुई नजर आई। हालांकि, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण मुद्रा बाजार में रुपये पर दबाव की स्थिति भी बनी रही, इसके बावजूद रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 7 पैसे उछल कर 87.62 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 87.69 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 17 पैसे की बढ़त के साथ 87.52 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट के कारण रुपया मजबूत होकर 87.51 के स्तर तक पहुंचा। हालांकि, रुपये की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी। स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की निकासी करने के कारण मुद्रा बाजार में रुपये पर दबाव बढ़ता चला गया। डॉलर की निकासी का दबाव बढ़ने पर रुपया ओपनिंग लेवल से 16 पैसे टूट कर 87.68 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा, जिसकी वजह से पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 7 पैसे की उछाल के साथ 87.62 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

कैट ने अमेरिकी टैरिफ को वैश्विक बाजारों की खोज का बताया अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के ट्रंप सरकार की ओर से भारत पर हाल ही में लगाए गए भारी भरकम टैरिफ को कारोबारियों की संस्था कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने झटका नहीं, बल्कि एक नया अवसर करार दिया है। कैट ने कहा कि? भारत का व्यापारी एवं उद्योग जगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर कदम के समर्थन में मजबूती से खड़ा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि व्यापार करने के लिए अमेरिका ही एकमात्र जगह नहीं है। पूरी दुनिया भारतीय व्यापारियों के लिए खुली है। वहीं, सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह संकट का नहीं बल्कि अपना दायरा बढ़ाने का अवसर है। दोनों कारोबारी नेताओं ने कहा कि हम इसे एक वरदान के रूप में देखते हैं। भरतिया ने कहा, व्यापार करने के लिए अमेरिका ही एकमात्र गंतव्य नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार परिदृश्य बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि यूके, यूरोपीय बाज़ार, दक्षिण अफ्रीका, आसियान देश, लैटिन अमेरिका, यूएई आदि में भारत के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। भारतीय व्यापारी चुनौतियों से डरते नहीं हैं, हर नई परिस्थिति एक नया अवसर लेकर आती है। हम इसे एक ऐसे मोड़ के रूप में देख रहे हैं, जो हमारे व्यापारिक दायरे को और विस्तृत करेगा। उन्होंने कहा, भारतीय व्यापारी इस चुनौती को ऐतिहासिक अवसर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत की भूमिका को वैश्विक व्यापार शक्ति के रूप में और अधिक मज़बूत करेंगे। वहीं, सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, इतिहास गवाह है कि व्यापार भारत की रगों में है। सिंधु घाटी सभ्यता के युग से ही भारत वैश्विक वाणिज्य का केंद्र रहा है। उन?होंने आगे कहा कि कोई भी अवरोध भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने से रोक नहीं सकता। यह कोई संकट नहीं, बल्कि अपने क्षितिज को फैलाने का अवसर है। यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्र विशाल संभावनाएं रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय व्यापारी हर बार मज़बूत होकर लौटे हैं–चाहे वह कोविड-19 हो, आर्थिक मंदी हो या प्राकृतिक आपदाएं। यह भी सिर्फ़ एक सीढ़ी है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत के 9 करोड़ व्यापारियों की दृढ़ता और उद्यमशीलता की भावना ने हमेशा देश की घरेलू अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाए रखा है। देश के जीडीपी एवं रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, ÷आज भारतीय व्यापारी अपनी रणनीतियों को नया रूप देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मज़बूत करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाकर नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों के तहत भारत एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में उभर रहा है। दुनिया भारत से भरोसेमंद व्यापारिक रिश्तों की अपेक्षा रखती है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए सरकार के पूर्ण समर्थन का दिया आश्वासनः फियो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार इस चुनौतीपूर्ण समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी चिंताओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उच्च अमेरिकी टैरिफ के बीच उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने जारी एक बयान में कहा कि यह आश्वासन फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को दिया गया। एस सी रल्हन के नेतृत्व में फियो के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री सीतारमण से नई दिल?ली में मुलाकात की और हाल ही में अमेरिकी टैरिफ में की गई वृद्धि के कारण भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने वित्त मंत्री से मुलाकात के दौरान बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धा और रोजगार पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर जोर दिया और निर्यातक समुदाय की सहायता के लिए त्वरित नीतिगत

उपाय करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार इन निर्यातकों के साथ मजबूती से खड़ी है और व्यापारिक हितों की रक्षा और श्रमिकों की आजीविका की रक्षा के लिए व्यापक समर्थन का वचन देती है। रल्हन ने कहा कि मंत्री का आश्वासन निर्यातकों के लिए आत्मविश्वास का एक बड़ा स्रोत है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि फियो बाजारों में विविधता लाने और भारत की वैश्विक व्यापार स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेगा।

सीतारमण से मुलाकात के दौरान फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन, उपाध्यक्ष रविकांत कपूर, फियो के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ अजय सहाय, फरीदा समूह के निदेशक इसरार अहमद और भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के अध्यक्ष पंकज चड्ढा शामिल थे।

सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

एजेंसी

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई। सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1.17 लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 622 रुपए बढ़कर 1,01,506 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते बुधवार को 1,00,884 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 92,980 रुपए हो गई है, जो कि पहले 92,410 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 76,130 रुपए हो गया है, जो कि पहले 75,663 रुपए प्रति 10 ग्राम था। आईबीजेए की ओर से सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार सुबह और शाम अपडेट किया जाता है। चांदी की कीमत 1,240 रुपए बढ़कर ऑल-

टाइम हाई 1,17,110 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,15,870 रुपए प्रति किलो थी। वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 3 अक्टूबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.12 प्रतिशत बढ़कर 1,01,667 रुपए और चांदी के 5 सितंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,17,175 रुपए थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती देखी गई है। कॉमैक्स पर सोना करीब 0.23 प्रतिशत बढ़कर 3,456 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 39.14 डॉलर प्रति औंस पर थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमत एक सीमित दायरे में बनी हुई है। निवेशकों का ध्यान अब अगले हफ्ते पर शिफ्ट हो गया है, जब अमेरिका में बेरोजगारी और नॉन-फार्म पेरोल का डेटा जारी किया जाएगा। साथ ही, इस दौरान फेड ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, जिससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 25,344 रुपए या 33.27 प्रतिशत बढ़कर 1,01,506 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 31,093 रुपए या 36.14 प्रतिशत बढ़कर 1,17,110 रुपए पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री से मुलाकात की

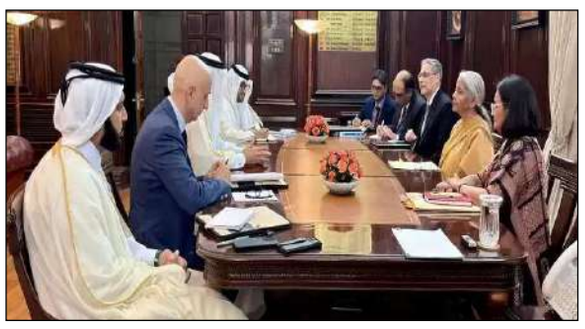

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात में सीतारमण ने पिछले दशक में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए भारत के परिवर्तनकारी कदमों का उल्लेख किया। दोनों मंत्रियों ने भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कतर के प्रतिनिधिमंडल ने भारत के आर्थिक विकास और तकनीकी विकास को देखते हुए भारत में निवेश के अच्छे अवसर उपलब्ध होने की उम्मीद जताई।

छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार : मुख्यमंत्री साय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन और निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्रो-एक्टिव एवं विकासोन्मुख औद्योगिक नीति 2024-30, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और प्रशिक्षित जनशक्ति के बल पर वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में जल, ऊर्जा, लौह अयस्क व स्टील और बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध है। ये संसाधन दक्षिण कोरियाई निवेशकों

के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंगल-विंडो क्लीयरेंस, व्यवसाय सुगमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से प्रत्येक निवेशक को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज खनिज, ऊर्जा, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी-स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निवेश का स्वागत कर रहा है। उन्होंने ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल केवल औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, महिलाओं को स्वावलंबन और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी हमारी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भारत के राजदूत अमित कुमार से भारतीय दूतावास सियोल में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने स्टील और खनिज से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स व फूड प्रोसेसिंग तक, मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया है। साय ने दक्षिण कोरिया और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन साझेदारियों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अनुसंधान एवं नवाचार और उच्च मूल्य रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कोरियाई निवेशकों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ को अपने नए औद्योगिक निवेश स्थल के रूप में चुनें और साझा समृद्धि की इस यात्रा का हिस्सा बनें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र सरकार से तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत देने की मांग की

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत प्रदान करने की मांग की है। स्टालिन ने कहा है कि टैरिफ में बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर गहरा असर पड़ा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यूएस टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर, विशेष रूप से तिरुपुर के कपड़ा केंद्र पर भारी असर पड़ा है। इससे लगभग 3,000 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ है और हजारों नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। उन्होंने मांग करते हुए लिखा कि मैं हमारे उद्योगों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल राहत और संरचनात्मक सुधारों के लिए केंद्र सरकार से अपनी मांग

दोहराता हूं। इससे कुछ दिन पहले स्टालिन ने कहा था कि अमेरिकी टैरिफ 25 प्रतिशत से बढ़कर संभावित रूप से 50 प्रतिशत हो जाने से, तमिलनाडु पर ज़्यादातर राज्यों की तुलना में ज़्यादा असर पड़ेगा क्योंकि हमारे निर्यात अमेरिकी बाजार से गहराई से जुड़े हुए हैं। कपड़ा, चमड़ा, ऑटो, मशीनरी और अन्य क्षेत्रों में लाखों नौकरियां खतरे में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मानव निर्मित रेशों पर 5 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित करने, कपास के आयात पर शुल्क हटाने, स्थगन के साथ आसान कम ब्याज वाले ऋण उपलब्ध कराने तथा निर्यात प्रोत्साहन और ऋण बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व्यापार संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेगी।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस कदम से उत्पादन लागत कम करके तथा कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।

जन धन योजना ने लोगों को दिया अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया।

प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये श्री मोदी ने लिखा, जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है। इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है। जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गईं। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं। उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, जो दिखाता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय तंत्र से जोड़ा गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जन धन योजना न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे सफल वित्तीय समावेशन पहलों में से एक रही है। निरंतर प्रयासों से हम बैंक खातों में लगभग पूर्णता प्राप्त कर चुके हैं और देश भर में बीमा और पेंशन कवरेज में निरंतर वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने एक अभियान शुरू किया है जिसके तहत देश की 2.7 लाख ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक में कम से कम एक शिविर आयोजित कर उन पात्र व्यक्तियों की पहचान की जायेगी जो बैंकिंग सुविधा से वंचित हैं और जिनके जन धन खाते खुल सकते हैं। इस अभियान का समापन 30 सितंबर को होगा। जन धन योजना की खास बात यह है कि इसे खोलते समय कोई पैसा जमा करना जरूरी नहीं होता और न ही कोई न्यूनतम मासिक राशि रखनी होती है। प्रत्येक खाते के साथ एक निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड आता है, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करता है, जिससे डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। खाता धारक 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा के भी पात्र हैं, जो आपात स्थिति में सुरक्षा प्रदान करती है। पूरी तरह से केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) अनुपालन वाले जन धन खातों में शेष राशि या लेनदेन की राशि की कोई सीमा नहीं है। एक महीने में कम से कम चार बार निःशुल्क निकासी की अनुमति है, जिसमें मेट्रो एटीएम सहित किसी भी एटीएम से निकासी शामिल है।

नेपाल आने वाले 400 से अकि कंटेनर चीन की सीमा में रुकने से नेपाल के व्यापारी परेशान

एजेंसी

काठमांडू। बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल चीन के बीच दो प्रमुख व्यापार मार्ग लगभग पूरी तरह से बंद हो गए हैं, जिससे नेपाल में बड़ी मात्रा में आयात होने वाली उपभोक्ता वस्तुओं का आयात नहीं हो पा रहा है। चीन की सीमा में करीब 400 से अधिक कंटेनरों के होल्ड होने से नेपाल के व्यापारी परेशान हैं।

व्यापारियों ने बताया है कि नेपाल आने के लिए तैयार माल से भरे लगभग 400 कंटेनर वहां फंसे हुए हैं, क्योंकि नेपाल चीन को जोड़ने वाले मुख्य व्यापारिक केंद्र, तातोपानी और रसुवागढ़ी, मानसून से संबंधित आपदाओं के कारण लगभग बंद हो गए हैं। चीन में कंटेनरों के रुकने के कारण इस वर्ष के पर्व त्यौहारों को लक्षित करते हुए व्यवसायियों द्वारा मंगाया गया सामान बाढ़ और भूस्खलन के कारण नहीं आ सका, इसलिए उपभोक्ताओं

को इस वर्ष सामान की कमी और अनियंत्रित मूल्य वृद्धि के दोहरे बोझ का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल ओवरसीज एक्सपोर्ट इम्पोर्ट एसोसिएशन के महासचिव जयंत कुमार अग्रवाल के अनुसार, चीन से आने वाले लगभग 400 कंटेनर माल को रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, हमारे पास सटीक आंकड़े नहीं हैं, लेकिन हमारा अनुमान है कि चीन से आने वाले लगभग 400 कंटेनर माल को रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि उन कंटेनरों में आने वाले पर्व त्यौहारों के लिए लक्षित पूरा सामान शामिल है, जैसे कपड़े, जूते, सेब, अखरोट, लहसुन, सूखे मेवे और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट। महासचिव अग्रवाल कहते हैं कि यह सिर्फ इस साल के मानसून से पैदा हुआ एक बार का संकट नहीं है, बल्कि हर साल आने वाली एक आवर्ती आपदा है। यह समस्या सिर्फ आज की नहीं है, हम वर्षों से इससे जूझ रहे हैं। नई व्यापारिक सीमा को उन्नत करना जरूरी है। अगर चीन के साथ व्यापार समृद्ध के रास्ते होता है, तो बाजार में कीमतें और कमी दोनों निश्चित रूप से बढ़ेंगी। नेपाल हिमालयन क्रॉस-बॉर्डर कॉमर्स एसोसिएशन के महासचिव राम चंद्र पराजुली के अनुसार, यदि चीन में फंसे सामान अगले 10 से 15 दिनों के भीतर नेपाल में प्रवेश नहीं कर पाते हैं, तो पर्व त्यौहारों का सीजन और महंगा होना तय है।

अलास्का में एफ-35 क्रैश रिपोर्ट : पायलट ने दुर्घटना से पहले इंजीनियरों से की थी लंबी बात

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना के अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान की इस साल जनवरी में अलास्का के आइल्सन एयरफोर्स बेस पर हुई दुर्घटना की जांच रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान क्रैश होने से कुछ समय पहले पायलट ने लॉकहीड मार्टिन के इंजीनियरों के साथ करीब 50 मिनट तक कॉन्फ्रेंस कॉल पर चर्चा की, ताकि तकनीकी समस्या का समाधान निकाला जा सके। जांच में पता चला कि घटना की जड़ लैंडिंग गियर के हाइड्रोलिक सिस्टम में बर्फ जमने से हुई गड़बड़ी थी। उड़ान भरते ही पायलट को गियर वापस खींचने में दिक्कत हुई। बाद में नोज गियर एक गलत एंगल पर लॉक हो गया। इसके चलते विमान के सिस्टम ने गलत संकेत प्राप्त किए और यह मान लिया कि विमान जमीन पर है, जिससे लगातार तकनीकी विफलताएं शुरू हो गईं। मानक प्रक्रियाओं से समस्या हल नहीं होने पर पायलट ने लॉकहीड के पांच इंजीनियरों से संपर्क किया, जिनमें लैंडिंग गियर और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ भी शामिल थे। इंजीनियरों के सुझाव पर पायलट ने दो बार टच-एंड-गो लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई। दोनों मुख्य लैंडिंग गियर भी फंस गए और ठीक से नहीं खुल पाए। इसके बाद जैसे ही विमान के सेंसर ऑटोमैटिक ग्राउंड-ऑपरेशन मोड में शिफ्ट हुए, एफ-35 अनियंत्रित हो गया। अंततः पायलट को इजेक्ट करना पड़ा। विमान क्रैश होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। करीब 20 करोड़ डॉलर की लागत वाला यह अत्याधुनिक फाइटर पूरी तरह नष्ट हो गया, जबकि पायलट को मामूली चोटें आईं।

टोनी ब्लेयर और जेरेड कुशनर ने ट्रंप से की गाजा योजना पर चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और जेरेड कुशनर ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साथ युद्धोत्तर गाजा के लिए एक योजना पर चर्चा की। तीनों के बीच यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब प्रशासन लगभग दो साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के तरीके तलाश रहा है।सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार राष्ट्रपति के विदेश दूत स्टीव विटकॉफ और प्रशासन के अन्य शीर्ष सहयोगी भी बैठक में शामिल हुए। ओवल ऑफिस में हुई यह बैठक एक घंटे से अधिक समय तक चली। चर्चा का पूरा विवरण अभी सामने नहीं आ पाया है। नेतन्याहू के करीबी माने जाने वाले कुशनर राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद हैं और उनके पहले प्रशासन के दौरान वह प्रभावशाली सलाहकार रहे हैं। दूसरे कार्यकाल के लिए ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से वह मध्य पूर्व के मुद्दों पर प्रशासनिक अधिकारियों को चुपचाप सलाह दे रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनकी कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है।

सीआईडी ने शुरू की श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल से प्रधानमंत्री हरिनी की मुलाकात की जांच

कोलंबो। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने उन सोशल मीडिया पोस्ट्स की जांच शुरू कर दी है, जिनमें दावा किया गया कि प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से अस्पताल में मुलाकात की थी। मलिगाकांडा मजिस्ट्रेट ने सीआईडी को सूचित किया है कि जरूरत पड़ने पर कोलंबो के राष्ट्रीय अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की अनुमति दी जा सकती है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार मजिस्ट्रेट लोचानी अबेविक्रमा ने सीआईडी को प्रधानमंत्री अमरसूर्या और उनके सुरक्षाकर्मियों के बयान दर्ज करने का आदेश दिया है। सीआईडी ने मजिस्ट्रेट को सूचित किया है कि उन सोशल मीडिया पोस्ट्स की जांच शुरू कर दी गई है, जिनमें दावा किया गया कि प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से अस्पताल में मुलाकात की। मजिस्ट्रेट ने सीआईडी को सूचित किया कि प्रधानमंत्री और उनके सुरक्षा अधिकारियों के बयान दर्ज करने के बाद यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रीय अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने की अनुमति दी जा सकती है। रानिल को भ्रष्टाचार के केस में गिरफ्तारी के बाद 26 अगस्त को जमानत के बाद रिहा किया गया है। श्रीलंका की 16वीं प्रधानमंत्री हरिनी दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा हैं। साल 1988-89 में श्रीलंका में तमिल आंदोलन के कारण हालात हिंसक हो जाने पर हरिनी अमरसूर्या पढ़ाई के लिए भारत आई थीं। 1990 में हरिनी ने हिंदू कॉलेज में प्रवेश लिया। उन्होंने 1991 से 1994 तक समाज शास्त्र की पढ़ाई की।

प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह, आठ सितंबर को हो सकती है मुलाकात

एजेंसी

लंदन। प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह का रास्ता लगभग खोज लिया गया है। पिता और पुत्र के बीच 20 महीनों में पहली बार होने वाली मुलाकात पर दुनिया भर की निगाहें लगी हुई हैं। प्रिंस हैरी के आठ सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की तीसरी पुण्यतिथि पर लंदन में मौजूद रहने की संभावना है। वह वेलचाइल्ड अवार्ड्स में भी शामिल होंगे। हालांकि उनके भाई विलियम ने कथित तौर पर इस निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। प्रिंस हैरी अमेरिका में रहते हैं।

डेली मेल की खबर के अनुसार, बकिंघम पैलेस के अधिकारियों के साथ एक अनौपचारिक सुलह वार्ता के बाद ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स द्वितीय के बीच मुलाकात होनी लगभग तय है। एक अमेरिकी सूत्र के अनुसार, अब दोनों पक्षों में काफी हद तक पारिवारिक मुद्दे सुलझ गए हैं। प्रिंस हैरी की टीम और पैलेस ने बातचीत का सुखद रास्ता खोल दिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले किंग चार्ल्स द्वितीय का कैंसर का इलाज हुआ है। इस नियोजित मुलाकात के दौरान संभवतः हैरी की पत्नी मेघन मर्केल अपने दोनों बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ कैलिफोर्निया में ही रहेंगी। किंग चार्ल्स द्वितीय ने दोनों बच्चों से आखिरी बार जून 2022 में मुलाकात की थी। बताया गया है कि पिछले महीने हैरी और मेघन की नई संचार प्रमुख मेरेडिथ मेन्स ने किंग चार्ल्स द्वितीय के संचार सचिव टोबिन एंड्रिया से रॉयल ओवर-सीज लीग (आरओएसएल) में मुलाकात की थी। यह

स्थान किंग चार्ल्स द्वितीय के लंदन निवास क्लेरेंस हाउस से तीन मिनट की पैदल दूरी पर है। मई में हैरी ने कहा था कि वह 'सुलह चाहते हैं' क्योंकि उन्हें नहीं पता कि 'मेरे पिता के पास और कितना समय है'। सनद रहे 2020 में हैरी और मेघन ने कार्यकारी शाही परिवार के सदस्य के रूप में पद छोड़ा था।

क्रेटा में आईएसआई और सीटीडी के अधिकारी पांच बलोच छात्रों को घरों से उठा ले गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में आधी रात एक घर पर हुई छापेमारी के दौरान कम से कम पांच बलोच छात्रों को पाकिस्तान के अधिकारी जबरिया उठा ले गए हैं। बताया गया है कि आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने तड़के लगभग 3ः30 बजे क्वेटा के एस्सा नगरी इलाके में एक घर पर छापा मारा। यहां से वह कम से कम पांच छात्रों को अगवा कर अपने साथ ले गए। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, पाकिस्तान के अधिकारियों ने मोहम्मद यासीन (17), शबीक (18), कदीर अहमद (18), कदीर लल्ला (17) और अकरम तकसीर (16) को अगवा किया है। विवरण के अनुसार, मोहम्मद यासीन पुत्र मिस्कान, निवासी शापुक तुरबत केच, शबीक पुत्र मोहम्मद असलम, निवासी शापुक तुरबत केच, कदीर अहमद पुत्र पुलेन निवासी उमेरी खेन

सामी तुरबत केच और कदीर लल्ला पुत्र लल्ला, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच एफएससी के छात्र हैं। इनके साथ अगवा किया गया अकरम तकसीर पुत्र तकसीर अहमद, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच मैट्रिक में पढ़ता है। बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने बयान में इस घटना की पुष्टि करते हुए अगवा किए गए सभी छात्रों की तत्काल रिहाई की मांग की है। बीवाईसी ने कहा कि इससे पहले खुफिया एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और पुलिस कर्मियों ने बुधवार रात करीब 8:00 बजे गोलिमार चौक पर संगठन के सक्रिय सदस्य नजर मरी को हिरासत में लिया। तब से उसका कुछ पता नहीं है। इससे अलावा पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर 21 अगस्त को यासीन के बेटे अजमल को अगवा कर लिया है। अवारन के झाओ इलाके से इब्राहिम के बेटे मीरान नाम को अगवा कर लिया गया है।

चीन की स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम को मिला न्योता, दक्षिण कोरिया सकते में

सियोल (दक्षिण कोरिया)। चीन के फैसले से दक्षिण कोरिया का शीर्ष नेतृत्व सकते में है। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन के तीन सितंबर को बीजिंग में आयोजित होने वाली स्वतंत्रता दिवस परेड में शामिल होने की घोषणा ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने इस परेड में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। दक्षिण कोरिया नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक जरूर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के कई सांसदों के साथ परेड में मौजूद रहेंगे। दक्षिण कोरिया के अखबार द कोरिया हेराल्ड की खबर के अनुसार प्योंगयांग के सरकारी मीडिया और बीजिंग के अधिकारियों ने किम की भागीदारी की घोषणा की। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह परेड तीन सितंबर को बीजिंग के तियानमेन चौक पर आयोजित होनी है। यदि उत्तर कोरियाई नेता की बीजिंग यात्रा संपन्न होती है तो 2011 में सत्ता संभालने के बाद से किम की यह किसी बहुपक्षीय कार्यक्रम में पहली भागीदारी होगी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग-उन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध और विश्व फासीवाद-विरोधी युद्ध की विजय की 80वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेने के लिए शीघ्र ही चीन का दौरा करेंगे।

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव फरवरी में, आयोग दिसंबर में जारी करेगा कार्यक्रम

ढाका। बांग्लादेश चुनाव आयोग ने फरवरी में होने वाले 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव की संक्षिप्त रूपरेखा बुधवार को घोषित कर दी। आयोग के अधिकारी फिलहाल निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं और मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े में होंगे और आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम दिसंबर की शुरुआत में घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी नए राजनीतिक दलों का पंजीकरण होना बाकी है। चुनाव पर्यवेक्षकों की औपचारिकता पूरी करनी है। इससे पहले कल आयोग के अधिकारियों ने बताया था कि आयोग को 83 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं पर 1,760 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं और इनकी सुनवाई शुरू हो गई है। हालांकि, परिसीमन प्रक्रिया के दौरान अभूतपूर्व स्थिति उस समय उत्पन्न हो गई, जब चुनाव आयोग का मुख्य द्वार तोड़ दिया गया।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने शुरू की यूएन प्रतिबंध बहाल करने की प्रक्रिया

एजेंसी

न्यूयॉर्क/लंदन/पेरिस। फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब ईरान के खिलाफ कूटनीतिक प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं और उसका परमाणु कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है। तीनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सूचित किया कि वे 2015 के ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) के तहत मौजूद 'स्नैपबैक मैकेनिज्म' को सक्रिय कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत 30 दिनों में प्रतिबंध दोबारा लागू हो सकते हैं, हालांकि इस अवधि में ईरान को स्थिति सुधारने का मौका मिलेगा।

विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान में कहा गया, आज ईरान का जेसीपीओए का उल्लंघन स्पष्ट और जानबूझकर है। उसके कई प्रमुख संवर्धन स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

(आईएईए) की निगरानी नहीं हो रही। उच्च संवर्धित यूरेनियम का कोई नागरिक औचित्य नहीं है।बयान में आगे कहा गया कि ईरान का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। ब्रिटिश अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय हल्के में नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि ईरान के महत्वपूर्ण उल्लंघनों, उच्च स्तर के यूरेनियम भंडार और कूटनीतिक समझौते के लिए पर्याप्त प्रतिक्रिया की कमी के कारण यह कदम उठाना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी कूटनीतिक समाधान के पक्षधर हैं और इसे बातचीत का अंत नहीं मानते। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ई3 के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, मैं ईरानी नेताओं से अपील करता हूं कि वे ऐसे कदम उठाएं जिससे उनका देश कभी परमाणु हथियार न बना सके। उन्होंने कहा कि यह कदम ईरान की जनता और ईरानी जनता की समृद्धि सुनिश्चित करें। वहीं, ईरान की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया अब तक नहीं आई है। हालांकि तेहरान ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर प्रतिबंध फिर लगाए गए तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में प्रतिबंध को लेकर उठाए जा रहे कदम क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकते हैं, खासकर जब मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।

यूएन सुरक्षा परिषद ने लेबनान शांति मिशन को 2026 तक बढ़ाया, फिर शुरू होगा अंतिम वापसी चरण

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने लेबनान में लंबे समय से चल रहे शांति मिशन को 'अंतिम बार' बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह मिशन 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा, जिसके बाद एक साल के भीतर इसकी क्रमबद्ध और सुरक्षित वापसी शुरू होगी। सुरक्षा परिषद ने फ्रांस द्वारा तैयार मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। प्रस्ताव में कहा गया है कि लेबनान सरकार के साथ परामर्श कर 2026 के अंत से एक साल के भीतर यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान (यूनीफिल - NIFIL) की वापसी की जाएगी, ताकि दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल लेबनान सरकार के हाथ में हो। यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान (हृहृब्रह्र) की स्थापना 1978 में हुई थी। यह मिशन दक्षिणी लेबनान और इजराइल की सीमा पर निगरानी करता है। 2006 में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध के बाद इसके अधिकार बढ़ाए गए थे, ताकि शांति सैनिक लेबनानी सेना के साथ मिलकर हथियारबंद समूहों को रोक सकें। हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रभाव के कारण यह मिशन विवादों में रहा है। इजराइल के यूएन राजदूत डैनी डैनन ने कहा, 'दशकों तक यूनीफिल का विस्तार केवल भ्रम साबित हुआ है। इस मिशन ने हिज्बुल्लाह को खतरनाक क्षेत्रीय ताकत बनने दिया।' अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि यह यूनीफिल के लिए अंतिम विस्तार है। अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा, 'लेबनान की सुरक्षा स्थिति में पिछले एक साल में बड़ा बदलाव आया है। अब समय है कि लेबनान अधिक जिम्मेदारी ले।'

ग्रीनलैंड में अमेरिकी प्रभाव अभियान की रिपोर्ट पर डेनमार्क ने यूएस दूत को किया तलब

एजेंसी

कोपेनहेगन। डेनमार्क सरकार ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया, जब देश के सार्वजनिक प्रसारक द्वारा यह रिपोर्ट सामने आई कि कुछ अमेरिकी नागरिक ग्रीनलैंड में कथित तौर पर 'प्रभाव अभियान' (influence operations) चला रहे हैं।

डेनमार्क के सार्वजनिक प्रसारक डीआर की जांच में दावा किया गया है कि कम से कम तीन अमेरिकी नागरिक, जिनके संबंध पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बताए जा रहे हैं, ग्रीनलैंड में सक्रिय रूप से अभियान चला रहे हैं। बताया गया कि इन लोगों का मकसद स्थानीय समाज में घुसपैठ कर जनमत को प्रभावित करना है, ताकि ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने का ट्रंप का सपना आगे बढ़ सके। ग्रीनलैंड, जो अटलांटिक में स्थित एक विशाल और संसाधन-समृद्ध द्वीप है, डेनमार्क

का स्वायत्त क्षेत्र है। ट्रंप ने अतीत में कई बार यह इच्छा जताई थी कि यह द्वीप अमेरिका का हिस्सा बनना चाहिए, हालांकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों इस विचार का विरोध करते रहे हैं।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा, हमें पता है कि विदेशी तत्व ग्रीनलैंड और उसके साम्राज्य में स्थान को लेकर रुचि दिखाते रहे हैं। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि हमें भविष्य में ऐसे बाहरी प्रयासों का सामना करना पड़े। अमेरिकी विदेश विभाग ने पुष्टि की कि यूएस चार्ज्ड अफेयर प्रभारी मार्क स्ट्रोह ने डेनमार्क के विदेश मंत्रालय से मुलाकात की। एक प्रवक्ता ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और दोनों देशों तथा ग्रीनलैंड के बीच मजबूत संबंधों की फिर से पुष्टि की गई। हालांकि प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार को निजी नागरिकों की कार्रवाइयों पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

उन्होंने कहा, अमेरिकी सरकार निजी नागरिकों के कार्यों को नियंत्रित नहीं करती। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि अमेरिका ग्रीनलैंड की जनता के अपने भविष्य तय करने के अधिकार का सम्मान करता है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमला, सूबेदार समेत कई जवान मारे गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान के पंजगुर और कच्छी जिलों में एक सशस्त्र समूह ने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए गए। हमलों में एक सूबेदार समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ना ही पाकिस्तान के अधिकारियों ने दोनों जिलों के हमले के संबंध में कोई बयान जारी किया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की आज की खबर में कहा गया है कि कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बम निरोधक दस्ते पर रेलवे ट्रैक साफ करते समय एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला हुआ। उसी इलाके में एक और हमले में कथित तौर पर एक सुरक्षा वाहन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा पंजगुर जिले के पारोम इलाके में एक चौकी से रवाना हो रहे सुरक्षा बलों के एक वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सूबेदार अब्दुल रज्जाक समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए।इसके अलावा क्वेटा में हथियारबंद लोगों ने मियां घुंडी इलाके में पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर उनके हथियार छीन लिए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इसके बाद पुलिस वालों

को छोड़ दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक हमलों के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है, और किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

इमरान के भतीजे शेर शाह खान को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। लाहौर की एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के भतीजे शेर शाह खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने जांच अधिकारी की हिरासत अवधि बढ़ाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार जांच अधिकारी मोहम्मद अशरफ जावेद ने 23 अगस्त को दी गई पांच दिन की रिमांड 30 दिन और बढ़ाने की मांग की। जांच अधिकारी ने दलील दी कि शाह का मोबाइल फोन और घटना के समय कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मास्क बरामद करना है। साथ ही उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी भी हासिल करनी है। इस पर अदालत ने कहा कि पर्याप्त जांच पहले ही की जा चुकी है और तकनीक और डिजिटल उपकरणों के वर्तमान युग में सोशल मीडिया अकाउंट्स का पता लगाने के लिए अभियुक्त की और हिरासत की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद अदालत ने हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग खारिज करके शाह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने जांच अधिकारी को निर्धारित अवधि के भीतर चालान पेश करने का निर्देश दिया। इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे शाह को 11 सितंबर को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा।

जापान के टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह से प्रधानमंत्री मोदी प्रभावित, कहा-यह यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावना को देगी आकार

एजेंसी

टोक्यो (जापान)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी जापान की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी टोक्यो पहुंच चुके हैं। टोक्यो में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनसे मुलाकात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अब से कोई दो घंटे पहले इस मुलाकात के फोटो और विवरण को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह ने मुझे बहुत प्रभावित किया। यह सचमुच प्रशंसनीय है कि कैसे वे जापानी समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए हमारी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखते हैं।अगले कुछ घंटों में मैं भारत और जापान के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करूंगा।'

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की राजधानी पहुंचने के बाद एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा,'मैं टोक्यो पहुंच गया हूं। भारत और जापान विकास सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा प्रधानमंत्री इशिबा और अन्य लोगों के साथ विचारों के आदान-प्रदान, हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने और सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने का अवसर प्रदान करेगी।

भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ काम करेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान यात्रा शुरू करने से पहले योमिउरी शिंबुन समाचार पत्र को दिए लिखित साक्षात्कार में कहा कि भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ और अधिक निकटता से काम करेगा। द जापान न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुरक्षा सहयोग पर जापान-भारत संयुक्त घोषणापत्र, जिसे उनकी यात्रा के दौरान संशोधित किया जाना है, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने की हमारी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाएगा।

संयुक्त घोषणापत्र का संशोधित मसौदा (जिस पर मूल रूप से 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे) आर्थिक सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करता है। जापान और भारत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और मोदी के बीच होने वाली बैठक के दौरान संशोधित दस्तावेज के आदान-प्रदान करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग भारत और जापान के लिए एक मजबूत सफलता की कहानी रहा है। उन्होंने लिखा, रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जापान का एक सिद्ध रिकॉर्ड है। राजनीतिक विश्वास और सहयोग के साथ हम न केवल अपने बल्कि दुनिया के लिए भी अगली पीढ़ी के रक्षा प्लेटफॉर्म डिजाइन और उत्पादन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, भारत के पैमाने और क्षमताओं को जापान की उन्नत तकनीकों के साथ जोड़कर हम एक लचीली और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सहयोग भारत-जापान साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बनेगा। साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में एक हाई-स्पीड रेल परियोजना का भी वर्णन किया। यह परियोजना जापान की शिंकानसेन प्रणाली को अपनाएगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना वाणिज्यिक केंद्र मुंबई और औद्योगिक शहर अहमदाबाद को जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वह है-देश में 7,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल नेटवर्क उपलब्ध कराना। मैं इस प्रयास में जापानी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं। योमिउरी शिंबुन की खबर के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त की सुबह जापान पहुंचे। आज दोपहर वे जापान के प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता जापान और भारत के बीच सुरक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित एक संयुक्त वक्तव्य जारी करेंगे। मई 2023 के बाद यह मोदी की पहली जापान यात्रा है।

गोरखा नगर जहाँ नेताओं ने तमाशा देखा और युवाओं ने उठाई ज़िम्मेदारी

आशु कुमार

जम्मू, 29 अगस्त। आजकल जब भी कोई आपदा आती है, सबसे पहले नेताओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा जाती हैं — वे मौके पर जाते हैं, फोटो खिंचवाते हैं, वीडियो बनाते हैं और यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे मौजूद हैं। लेकिन हकीकत कुछ और होती है। तवी नदी में आई बाढ़ के बाद गोरखा नगर की हालत इस दिखावे की राजनीति का एक बड़ा उदाहरण बन गई।

पूरा इलाका कीचड़, पानी और मलबे से पट गया था। रास्ते बंद हो गए, घरों में पानी भर गया, और लोगों की ज़िंदगी ठप हो गई। सरकार की ओर से राहत कार्य शुरू जरूर हुआ, लेकिन रफ्तार बेहद धीमी रही।

गोरखा नगर के कई हिस्सों में आज तक कोई मदद नहीं पहुँची। लोग बिना बिजली, साफ पानी और राहत सामग्री के जीने को मजबूर हैं। कई राजनीतिक दलों के नेता वहाँ आए, फोटो खिंचवाए, कुछ बातें कीं और चले गए। किसी ने दोबारा मुड़कर नहीं देखा।

सबसे शर्मनाक बात यह रही कि श्मशान घाट का रास्ता भी बाढ़ के कीचड़ में दब गया था। तमाम पार्टी नेताओं ने वहाँ जाकर फोटो खिंचवाई, लेकिन किसी ने उस रास्ते की सफाई का जिम्मा नहीं उठाया।

इसी बीच सामने आए गोरखा नगर जागरण यूथ कमेटी के सदस्य।

इन युवाओं ने ठान लिया कि जब नेता कुछ नहीं कर रहे, तो हम करेंगे। उन्होंने अपने स्तर पर छुष्टक्क की व्यवस्था की, खुद फावड़ा उठाया और श्मशान घाट का रास्ता साफ किया। उन्होंने उन घरों की भी सफाई की जहाँ अब तक कीचड़ और पानी जमा था।

इन युवाओं ने कहा-

नेता तो फोटो खिंचवाने आए थे, काम तो हमने किया है।

हम जनता के लिए हैं, ना कि दिखावे के लिए।

गोरखा नगर के इन युवाओं ने साबित कर दिया कि असली नेता वही होता है जो संकट के समय काम आए, ना कि सिर्फ कैमरे के सामने दिखे।

यह कहानी सिर्फ एक बस्ती की नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज की है जहाँ लोग अब रुकने की बजाय खुद आगे बढ़ने लगे हैं।

अनियंत्रित और अवैध नदीतल खनन ने जम्मू क्षेत्र में बाढ़ की तबाही को बढ़ाया : विक्रमादित्य

भविष्य में नुकसान कम करने के लिए आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने की अपील

जम्मू, 29 अगस्त। नदीतलों में हो रहा अनियंत्रित और अवैध खनन हालिया बाढ़ के प्रभाव को और गंभीर बना रहा है, जिससे प्राकृतिक सुरक्षा उपाय कमजोर हो गए हैं और आवासीय क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

यह बात आज यहां जारी एक बयान में पूर्व एमएलसी और वरिष्ठ राजनीतिक नेता श्री विक्रमादित्य सिंह ने कही।

वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस अभूतपूर्व प्राकृतिक आपदा ने न केवल जन-जीवन को भारी नुकसान पहुंचाया है बल्कि सार्वजनिक ढांचे को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण राजमार्गों और जिलों को जोड़ने वाली सड़कों के भूस्खलन के कारण बंद होने पर चिंता व्यक्त की और विशेषकर लक्ष्मणपुर बैराज तथा रावी नदी पर बने मुख्य पुल को हुए नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का नुकसान आवश्यक संपर्क को ठप कर रहा है और आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर डाल रहा है, जिससे आम जनता का जीवन कठिन हो गया है और व्यापारी व ट्रांसपोर्टर भारी घाटे का सामना कर रहे हैं।

श्री विक्रमादित्य ने जोर देकर कहा कि प्राकृतिक कारणों के अलावा मानवीय कारक, जैसे नदियों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन, कई क्षेत्रों की संवेदनशीलता को खतरनाक रूप से बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के असर को बढ़ने से रोकने के लिए पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाए।उन्होंने आगे सरकार से पीड़ितों को तुरंत राहत देने, आवश्यक सेवाओं को युद्ध स्तर पर बहाल करने और आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए व्यापक कदम उठाने की अपील की ताकि आने वाले समय में ऐसे नुकसान को कम किया जा सके।

विक्रमादित्य सिंह ने अभूतपूर्व बारिश और भूस्खलन के कारण केंद्रशासित प्रदेश में 41 लोगों की दर्दनाक मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया, जिनमें वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुई विनाशकारी घटना भी शामिल है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

सुंदरबनी उपमंडल में राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य सेवाओं की बहाली का निरीक्षण किया

सुंदरबनी 29 अगस्त। राजौरी उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिकरवार के साथ सुंदरबनी का दौरा किया और क्षेत्र में भारी बारिश के बाद आवश्यक सेवाओं, सड़क संपर्क और उप-जिला अस्पताल के कामकाज की बहाली का जायजा लिया।

इस दौरान, उपायुक्त ने क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य प्रमुख बुनियादी ढाँचे की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुंदरबनी उप-जिला अस्पताल का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को किसी भी समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

बाद में, उपायुक्त ने स्थानीय सरकारी अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जहाँ उन्होंने अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों को अपने-अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाल ही में हुई बारिश से हुए नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया ताकि समय पर बहाली के उपाय किए जा सकें। उपायुक्त ने बताया कि राजौरी जिले में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बहाल कर दी गई है और आश्वासन दिया कि प्रशासन जनता के लिए निर्बाध सेवाएं और सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता पर काम कर रहा है।

बीआरओ ने भूस्खलन और संपर्क बाधित होने के बाद सड़क साफ़ करने का काम किया शुरू

राजौरी, 29 अगस्त (हि.स.)। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने शुक्रवार को पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण राजौरी ज़िले में भूस्खलन और संपर्क बाधित होने के बाद सड़क साफ़ करने का काम शुरू कर दिया है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों के लिए मौसम संबंधी अलर्ट जारी किया है।

स्थानीय निवासी राम कृष्ण ने चल रहे काम पर राहत व्यक्त करते हुए कहा कि अब काफ़ी राहत मिली है। निर्माण से बहुत से लोगों को सुविधा हो रही है। लोग सड़कों को बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सीमा सड़क संगठन विभाग के आभारी हैं।

इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने क्षेत्र के लिए मौसम संबंधी चेतावनी जारी की है। पुंछ, रियासी, राजौरी, किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है जिसमें गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। पुंछ, किश्तवाड़, जम्मू, रामबन और उधमपुर में शनिवार और रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जो भारी बारिश की संभावना दर्शाता है।

गुरुवार को जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण प्रतिकूल मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ा जिससे स्थानीय लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जम्मू संभाग के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 30 अगस्त, 2025 तक बंद रखने का आदेश दिया गया है।

यह निर्णय कई ज़िलों से आई चिंताजनक रिपोर्टों के बाद लिया गया है जिनमें स्कूल संचालन को प्रभावित करने वाली गंभीर स्थितियों पर प्रकाश डाला गया था। संस्थानों के प्रमुखों को सलाह दी गई है कि वे जहाँ भी उपयुक्त बुनियादी ढाँचा और इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध हो वहाँ ऑनलाइन कक्षाएं विशेष रूप से कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए संचालित करने की संभावना तलाशें।

ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट योगदान के लिए उचित सिंघल सम्मानित

जम्मू,, 29 अगस्त (हि.स.)। जम्मू डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा सम्मानित किया गया। वे भारतीय रेल के उन 16 वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें इस विशेष सम्मान से नवाजा गया।

ऑपरेशन के अहम चरण में सिंघल ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के साथ-साथ वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक की दोहरी जिम्मेदारी निभाई और सैन्य रेल सेवाओं के सुचारू समन्वय व आवागमन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। रेलवे बोर्ड को भेजे गए पत्र में सेना प्रमुख ने विशेष रूप से उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में उनकी व्यावसायिकता और त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की।

जम्मू मंडल ने भी उनके योगदान पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सैन्य रसद प्रबंधन के साथ-साथ उन्होंने यात्री सेवाओं की निगरानी में भी अहम भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि चुनौतीपूर्ण समय में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा सके।

यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों में भारतीय रेलवे की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है और इसके अधिकारी सशस्त्र बलों के सहयोग के लिए हमेशा समर्पित रहते हैं।

शोपियां पुलिस ने भेड़ चोरी गिरोह का किया भंडाफोड़

जम्मू, 29 अगस्त (हि.स.)। शोपियां पुलिस ने भेड़ चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 51 चोरी की गई भेड़ें बरामद कीं और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पहले मामले की जांच के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 44 चोरी की गई भेड़ें बरामद कीं। इस मामले में शामिल दो आरोपी गुलाम मोहम्मद डार पुत्र गुलाम कादिर डार और मोहम्मद यूसुफ डार पुत्र गुलाम मोहम्मद डार निवासी जवाला पोरा बडगाम को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने 7 चोरी की गई भेड़ें बरामद कीं। पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है और आगे और भी खुलासे की उम्मीद है। यह कार्रवाई एसएचओ पुलिस स्टेशन शोपियां और आईसी पुलिस पोस्ट कीगाम की टीमों ने क्लैच् हेडक्वार्टर शोपियां इम्तियाज़ अहमद की निगरानी और एसएसपी शोपियां अनायत अली चौधरी के समग्र पर्यवेक्षण में की। पुलिस ने जनता को आश्वासन दिया है कि जीवन और संपत्ति की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पालीहाउस तकनीक के उपयोग

By : Bhupender

सब्जी उत्पादन और आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान है। यदि किसान कुछ विशेष सावधानियों को ध्यान में रखें तो इसमें बेमौसमी सब्जियों की खेती एक वरदान के रूप में सिद्ध हो सकती है। पॉलीहाउस में आमतौर पर सभी सब्जियों को उगाया जा सकता है, किन्तु सब्जियों का चयन पौधों की ऊंचाई, मौसम, सब्जी तैयार होने का समय, उत्पादन लागत एवं बाजार भाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

इसके लिए ज्यादातर उन सब्जियों को चुनें जो कम जगह घेरती हों और उनका बाजार भाव ज्यादा मिलता हो। पॉलीहाउस में उगाने के लिये निम्न सब्जियां उपयुक्त रहती हैं, जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, खरबूजा, लौकी, गोभी, बैंगन, फ्रेंचबीन, करेला, चप्पनकद्दू और तरबूज आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस बनाने की विधि

ढांचे की बनावट के आधार पर पॉलीहाउस कई प्रकार के होते हैं। पॉलीहाउस बनाने के लिये बांस की खपच्ची, बांस, जी आई पाइप, आयरन एंगल, सुतली आदि का प्रयोग ढांचा बनाने के लिये किया जाता है और इसे 150 से 200 माइक्रोन मोटी पॉलीथीन से ढंका जाता है। पॉलीथीन शीट का पराबैंगनी होना जरूरी होता है। सूर्य का प्रकाश पारदर्शी पॉलीथीन से पॉलीहाउस के अन्दर पहुंचता है, किन्तु विकिरण से पुन: वायुमण्डल में प्रवेश न कर पाने के कारण वह पॉलीहाउस का तापमान बढ़ाने में सहायक होता है। किसानों के लिये कम लागत के पॉलीहाउस उपयुक्त होते हैं और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा इन पर बागवानी मिशन के तहत 50 तक प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

कम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा बांस की खपच्चियों तथा सुतली की सहायता से बनाया जाता है। इस प्रकार के पॉलीहाउस में कोई भी यंत्र वातावरण का नियंत्रण करने के लिये नहीं लगाया जाता एवं ऐसे पॉलीहाउस मैदानी क्षेत्रों के लिये सर्दी की ऋतु में प्रयोग किये जा सकते हैं।

मध्यम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा प्राय: लोहे के पाइप या जी आई पाइप द्वारा बनाया जाता है। इसमें कूलर, छाया देने वाले जाल, पानी के फव्वारे तथा गर्म हवा फेंकने वाले ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। इस में वातावरण को अर्धनियंत्रित किया जा सकता है।

अधिक लागत के आधुनिक पॉलीहाउस- ये ग्रीन हाउस मध्यम लागत वाले पॉलीहाउस से काफी बड़े आकार के होते हैं। इसमें वातावरण का नियंत्रण आधुनिक यंत्रों द्वारा किया जाता है, जिसको कम्पयूटर प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है और सिंचाई ड्रिप प्रणाली द्वारा की जाती है।

पॉलीहाउस तकनीक के उपयोग

1. विपरीत मौसम यानी बेमौसमी सब्जियों की नर्सरी तैयार की जा सकती है तथा कम समय में नर्सरी तैयार होती है।
2. ये संरचनाएं सब्जियों को ठण्ड, पाला, गर्मी और हवा से बचाती हैं।
3. सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने में सहायक जिससे अगेती फसल लेकर ज्यादा भाव में बाजार में बेचा जा सकता है।
4. अधिक मूल्य वाली सब्जियों का उत्पादन करना संभव।
5. बेमौसमी सब्जी उत्पादन-खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर का वर्ष भर उत्पादन किया जा सकता है।
6. सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में बढोतरी संभव।
I. सब्जियों की गुणवत्ता बढ़ती है।
8. कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है।
9. सब्जियों की मोनोक्रापिंग को बढ़ाना यानी साल में कई बार फसल उगा सकते है, जिससे क्रापिंग इन्टेंसिटी बढ़ती है।

पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन के लिए सब्जियों की उन्नत किस्में =

टमाटर- पंत टी- 3, डी टी एच- I, अविनाश- 2, डी ए आर एल- 304, एच वाई बी- 99, के-126, एन पी-5002 और नवीन प्रमुख है।

शिमला मिर्च- केलिफोर्निया वंडर, अलंकार, भारत इन्दिरा, गोल्डन समर, हीरा, बाम्बी, ओरोबेली, तनवी और जैमिनी आदि प्रमुख है।

खीरा- जापानीज लौंग, ग्रीन, पूसा संयोग, प्वाइनसेट, रानी, फूले पराची और कसन आदि प्रमुख है।

खरबूजा- पंजाब संकर- 1और दिसी आदि।

फ्रेंचबीन- पंत अनुपमा और पंतबीन-2, पूसा पार्वती कंटेण्डर आदि प्रमुख है।

करेला- पूसा दौ मौसमी और पूसा विशेष आदि प्रमुख है।

बैंगन- पूसा हाईब्रिड- 5,6 और 9, पंत संकर, हिसार और श्यामल आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस में पौध तैयार करना =

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं। इसमें कम लागत वाले पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन और बेलवाली सब्जियां जैसे- खीरा, लौकी, करेला, तोरई, चप्पन कद्दू एवं ककड़ी इत्यादि, की बेमौसमी अर्थात सर्दी में नर्सरी पौध तैयार करके एक दो महीने अगेती फसल ली जा सकती है, जिसके बाजार में बहुत अच्छे दाम मिलते हैं। इसके लिये बांस की खपच्ची, पोलीथीन शीट, सुतली से एक झोपड़ीनुमा ग्रीन हाउस बनाया जा सकता है और इसमें सब्जियों की पौध दिसम्बर से जनवरी में तैयार की जा सकती है।

अगेती नर्सरी (पौध) से फायदे

1. अधिक पैदावार
2. बेमौसमी उत्पादन
3. अच्छी गुणवत्ता
4. कम पानी की आवश्यकता
5. कम खरपतवार व आसान नियंत्रण
6. स्वस्थ व समय पर पौध उत्पादन
I. विपरीत परिस्थितियों से बचाव
8. कीट व रोग नियंत्रण आसान।

इन बातों का रखें ध्यान =

1. केवल उन्नत और संकर किस्में ही उगाएँ।
2. सही सब्जी की फसल और सही किस्म का चयन।
3. सब्जी की बिजाई से पहले पॉलीहाउस में गोबर की खाद डालकर अच्छी तरह मिला दें तथा जमीन को पांच प्रतिशत फोरमेलिन से उपचारित करें।
4. शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि ज्यादा लाभदायक फसलें होती हैं।

पौध को प्रोपेगेशन ट्रे में तैयार करें

सब्जियों की पौध के लिये प्रोपेगेशन ट्रे जिसे प्रो ट्रे भी कहते हैं, का इस्तेमाल करें जो आमतौर पर 98 छेदों वाली होती है, इसमें कोकोपीट + परलेट + वर्मीकुलेट का 4:1:1 का मिश्रण लेकर ट्रे तैयार कर लें तथा बीज की बिजाई कर दें।

पॉलीहाउस के फायदे

1. प्रत्येक बीज का बिना क्षति के अंकुरण।
2. जड़ों का पूरा विकास एवं निकालने एवं रोपाई में सुविधाजनक।
3. पौधों का विकास एक समान और स्वस्थ पौधों का तैयार होना
4. कम समय में पौध का तैयार होना।
5. पौध की बीमारियां कम।
6. कीट नियंत्रण सरलता से किया जा सकता है।
I. रोपाई उपरान्त कम मृत्युदर और पौधों का विकास जल्दी होना।
8. पॉलीहाउस को बागवानी के व्यावसायीकरण ने किसानों की एक खास जरूरत बना दिया है, जिसमें बेमौसमी सब्जियां उगाकर आमदनी को कई गुणा बढ़ाया जा सकता है।
9. परम्परागत कृषि विधियों की अपेक्षा पॉलीहाउस में सब्जियों को उगाने से खुले वातावरण की तुलना में दो से चार गुणा तक अधिक पैदावार ली जा सकती है।
10. वर्ष भर सब्जी उत्पादन करना, साथ ही उत्पादन की मात्रा, गुणवत्ता तथा उत्पादकता में भी काफी बढ़ोतरी प्राप्त की जा सकती है।
11. पॉलीहाउस में पर-परागण वाली सब्जियों के बीजों को सरलता से तैयार किया जा सकता है, इस प्रकार तैयार किए गए बीजों में वंश शुद्धता बनाये रखी जा सकती है और यह बीज उच्च गुणवत्ता के होते हैं। पॉलीहाउस के अन्दर उगाई जाने वाली सब्जियों में वे सभी सस्य क्रियायें करनी पडती हैं, जिन्हां खुले खेत में करते हैं। गोबर की खाद का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिये। बीच-बीच में मिट्टी का निर्जीवीकरण करना आवश्यक होता है। जिसके लिये फार्मेलडिहाइड और अन्य रसायन या प्लास्टिक शीट बिछाकर सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है।